ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 333 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
08 जून 2026 सोमवार

आज का मौसम
37.0 अधिकतम
25.8 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

इजराइल ने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

ईरान-इराक और सीरिया ने बंद किए एयर स्पेस

## दुनिया भर में चिंता... इजराइल ने नहीं मानी ट्रम्प की संयम बरतने की अपील

# फिर शुरू हुई जंग ! मिसाइल हमलों से दहले तेहरान और तेल अवीव

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी**

ईरान और इजराइल के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर के दो महीने बाद दोबारा जंग शुरू हो गई है। ईरान ने रविवार रात इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि यह कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमलों के जवाब में की गई है। हमलों के बाद इजराइल के कई हिस्सों में सायरन बजे और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। इसके जवाब में कुछ घंटों बाद इजराइल ने ईरान में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने पश्चिमी और मध्य ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

ईरानी समाचार एजेंसी इरना के मुताबिक, तेहरान, तबरीज और इस्फहान में कई विस्फोट हुए। आईआरजीसी ने दावा किया कि इजराइल ने हमलों में एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हमलों के बाद ईरान ने राजधानी तेहरान के इमाम खोमैनी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास का एयरस्पेस बंद कर दिया। उधर इराक ने 72 घंटे और सीरिया ने 12 घंटे के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से तत्काल बड़े जवाबी हमले से बचने को कहा था। हालांकि इसके बावजूद इजराइल ने ईरान में सैन्य कार्रवाई की। ईरान और इजराइल के बीच यह ताजा टकराव ऐसे समय हुआ है जब दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर पहले से ही तनाव बना हुआ था। इस बीच अमेरिका ने होर्मुज में दो और ईरानी ड्रोन मार गिराए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खतरा बने दो ईरानी ड्रोन को मार गिराया गया। लगातार दूसरे दिन अमेरिका ने ऐसे ड्रोन गिराने का दावा किया है।

### इजराइल के सेना प्रमुख संभाल रहे कमान

ईरान पर जारी हमलों के बीच इजराइली सेना ने कहा है कि सेना प्रमुख मेजर जनरल एयाल जमीर खुद सैन्य अभियानों की निगरानी कर रहे हैं। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी लगातार हालात की समीक्षा कर रहे हैं। सेना ने कहा कि वह पूरी तरह सतर्क है और इजराइल को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी पक्ष के खिलाफ सभी मोर्चों पर कार्रवाई जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि सऊदी अरब के अल-खर्ज एयरबेस पर कथित हमले की खबरों के बीच ईरान ने किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई से इनकार किया है। यह बयान उन रिपोर्ट के बाद आया है, जिनमें सऊदी अरब के अल-खर्ज एयरबेस पर विस्फोट की बात कही गई थी। इससे पहले सऊदी सिविल डिफेंस ने अल-खर्ज गवर्नरेट में संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और अगली सूचना तक सतर्क रहने की अपील की थी।

### ईरानी खिलाड़ियों पर कड़े प्रतिबंध

ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले 2026 फीफा विश्व कप के दौरान सख्त यात्रा प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि ईरानी अधिकारियों का दावा है कि खिलाड़ियों को केवल उनके मैचों के दिन ही देश में प्रवेश करने की अनुमति होगी और उन्हें मैच के तुरंत बाद देश छोड़ना होगा। यह दावा मैक्सिको में ईरान के राजदूत अबोलफजल पसंदिदेह ने किया, जिन्होंने कहा कि ईरानी टीम को टूर्नामेंट के लिए विशेष प्रवेश शर्तों के बारे में सूचित किया गया था, जिसकी संयुक्त रूप से मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको करेंगे।

## न्यूज विंडो

### डेब्यू टेस्ट में मानव पांच विकेट लेने वाले दसवें भारतीय बने

**मुल्लांपुर।** बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मानव सुथार ने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में ही चमक बिखेरी और वह फाइव विकेट हॉल पूरा करने में सफल रहे। मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन सुथार ने यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। मानव सुथार की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने अफगानिस्तान की पहली पारी 152 रन पर ढेर कर दी है। भारत ने पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन पर घोषित की थी। इस तरह भारत को 412 रनों की बड़ी बढ़त हासिल हुई है।

### नेपाल बॉर्डर से टीएमसी नेता जहांगीर खान गिरफ्तार

**कोलकाता।** फालता से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें आज सुबह नेपाल बॉर्डर इलाके से एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है। बंगाल के चुनावी नतीजे आने के बाद से जहांगीर फरार था। उसकी तलाश जारी थी। चुनाव से पहले एसआईआर के समय से ही जहांगीर खान पर कई आरोप लगे थे। उन पर बीएलओ को प्रभावित करने और मृतकों के नाम सूची में जोड़ने का आरोप था।

### बिहार के श्रम मंत्री अरुण पर हमला, बाल-बाल बचे

**मधुबनी।** बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री एवं खजौली से भाजपा विधायक अरुण शंकर प्रसाद पर कथित रूप से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में मंत्री की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि वे बाल-बाल बच गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मंत्री अरुण शंकर प्रसाद कलुआही थाना क्षेत्र के ठाहर गांव पहुंचे थे। यहां सड़क हादसे में मृत युवक कृष्ण कुमार ठाकुर के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना देने का कार्यक्रम था। कृष्ण कुमार ठाकुर, जुगे ठाकुर के पुत्र थे और हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी।

### आज का कार्टून

## तीन देशों के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी

### फिलीपींस में भूकंप, कई इमारतें गिरीं, तीन की मौत

**मनीला. एजेंसी**

फिलीपींस में आज सुबह 7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5.07 बजे आया। इसका केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास जमीन से करीब 35 किलोमीटर नीचे था। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप में कम से कम 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 लोग घायल हैं। 37 इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और कारोबारी भवन हैं।

पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है। भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था।

इस दौरान लोगों ने सड़क किनारे अपने वाहन खड़े कर दिए। वैज्ञानिकों का कहना है कि आफ्टरशॉक कई दिनों, हफ्तों या वर्षों तक जारी रह सकते हैं। कुछ मामलों में इनकी तीव्रता मुख्य भूकंप के बराबर या उससे ज्यादा भी हो सकती है, जिससे पहले से क्षतिग्रस्त इमारतों को और नुकसान पहुंच सकता है। उल्लेखनीय है कि फिलीपींस, इंडोनेशिया और जापान प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित हैं। यह दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के कारण अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं।

### कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन भरा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने आज अपना नामांकन भर दिया। विधानसभा में इस दौरान पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य विधायक मौजूद रहे। पटवारी ने खुद एक-एक कर विधायकों को रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे में भेजा। नामांकन के बाद नटराजन ने कहा- हमारे सामने विचारधारा की लड़ाई है। हम सब एकजुटता से लड़ेंगे और जीतेंगे।

## राहुल, ममता और अखिलेश मौजूद, दावा- 23 दल पहुंचे

### इंडिया ब्लॉक की बैठक शुरू

**नईदिल्ली, एजेंसी**

दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडिया ब्लॉक की आज 7वीं बैठक चल रही है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, ज़ख्ष्ट चीफ ममता बनर्जी शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर सीएम उमर अब्दुल्ला, सांसद अभिषेक बनर्जी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव समेत समेत ब्लॉक में शामिल अन्य दलों के नेता भी भी पहुंचे हैं। शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे ऑनलाइन जुड़े हैं। कांग्रेस ने बैठक में 23 विपक्षी दलों के शामिल होने का दावा किया है। 2 साल के अंतराल के बाद इंडिया ब्लॉक की यह बैठक हो रही है। आखिरी बैठक एक जून 2024 को दिल्ली में खड़गे के घर पर हुई थी।

## ट्विशा केस... सीबीआई की जांच में हो रहे खुलासे

### केस डायरी की जानकारी गिरिबाला तक पहुंचा रही थी भोपाल पुलिस

» रस्सी एम्स नहीं भेजी, एसआई की कार में रखी

» फंदे की पहचान करने वाले का रिकॉर्ड नहीं, गिरिबाला को जमानत में भी पुलिस की मदद

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत की जांच कर रही सीबीआई को भोपाल पुलिस जांच की जांच में कई गड़बड़ियां मिली हैं। ट्विशा की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की ओर से पिछले दिनों जबलपुर हाईकोर्ट में पेश किए गए दस्तावेजों में सामने आया है कि जांच से जुड़े अहम तथ्य पहले ही उनके पास पहुंच रहे थे। इसी के चलते वह समय रहते अग्रिम जमानत लेने में सफल हो गईं। शुरुआत में ही सास गिरिबाला और पति समर्थ को संदिग्ध के रूप में चिह्नित करना चाहिए था, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। 13 मई 2026 को सुबह करीब 9.42 बजे सब इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा ने फंदे की रस्सी जब्त की थी, फिर भी दस्तावेजों में रस्सी की पहचान करने वाले का स्पष्ट विवरण दर्ज नहीं है।

ट्विशा के परिजन की ओर से भोपाल कोर्ट में एडवोकेट अंकुर पांडे पैरवी कर रहे हैं। उनका कहना है कि रस्सी को तत्काल एम्स अस्पताल भेजने के बजाय एसआई की कार में रख दिया गया। बाद में उसे जांच के लिए भेजा गया। हैरानी यह है कि इतनी बड़ी चूक के बावजूद जिम्मेदार एसआई पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बता दें, 27 मई को हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी।

मामले में जांच अधिकारी की भूमिका पर सवाल हैं। अग्रिम जमानत के लिए दाखिल आवेदन में जब्ती से जुड़े दस्तावेज में हुई गलतियों का जिक्र किया गया था। इसी आधार पर जमानत मांगी गई। इससे संकेत मिलता है कि केस डायरी से जुड़ी अहम जानकारी गिरिबाला सिंह तक पहुंच रही थी। जब्ती से जुड़े दस्तावेज में रस्सी की पहचान करने वाले व्यक्ति का नाम दर्ज नहीं है, जबकि पहचान होने के बाद ही रस्सी की जब्ती की जानी थी। इसे पुलिस की गंभीर चूक माना जा रहा है। परिजन शुरू से ही पुलिस की मंशा पर सवाल उठा रहे थे। उनका आरोप था कि पुलिस जानबूझकर ऐसी गंभीर त्रुटियां कर रही है, जिससे केस कमजोर हो सकता है। एम्स में परीक्षण के बाद 16 मई को रस्सी को एफएसएल जांच के लिए भेजा गया। फिलहाल सीबीआई केवल ट्विशा की मौत की जांच कर रही है।

### जयपुर में धार्मिक स्थलों पर चला बुलडोजर

**जयपुर, एजेंसी।** राजस्थान के पिंक सिटी जयपुर में आज एक बार फिर बुलडोजर एक्शन हो रहा है। मालवीय नगर के नंदपुरी अंडरपास के पास प्रशासन का बुलडोजर चल रहा है। नूरानी मस्जिद को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हो गयी है। पूरे इलाके की लाइट और इंटरनेट बंद कर दिए गए हैं।

## मेट्रो एंकर

### तेलंगाना पुलिस की भर्ती से बाहर किए गए युवक के मामले में शीर्ष अदालत का फैसला

# वयस्कों के बीच सहमति से बने संबंध किसी के चरित्र पर दाग नहीं

**नईदिल्ली. एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आज के बदलते युग में विवाह से पहले संबंध सामान्य हो गए हैं। दो बालिग व्यक्तियों के बीच सहमति से बने संबंधों के आधार पर किसी व्यक्ति के चरित्र पर नकारात्मक टिप्पणी नहीं की जा सकती। शीर्ष न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में आपराधिक मुकदमे का समझौते के जरिये समाप्त होना आरोपी की दोष स्वीकृति नहीं माना जा सकता।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड के उस निर्णय को रद्द कर दिया

जिसके तहत एक अभ्यर्थी का पुलिस कांस्टेबल पद के लिए चयन रद्द कर दिया गया था। अदालत ने अभ्यर्थी की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उससे शादी का वादा कर संबंध बनाए। उनके बीच चार वर्षों तक संबंध रहा लेकिन बाद में उस व्यक्ति ने किसी अन्य महिला से विवाह कर लिया। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया और मामला लोक अदालत में निपटा दिया गया।

भर्ती बोर्ड ने इस समझौते को आरोपी की ओर से अपराध स्वीकार करने के रूप में देखा। इसे नैतिक अनाचार मानते हुए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने इस दृष्टिकोण को पूरी तरह गलत बताया। पीठ ने कहा कि विवाह पूर्व संबंध आज के समय में सामान्य हैं। दो अविवाहित वयस्कों के बीच सहमति से बने शारीरिक संबंधों के आधार पर किसी व्यक्ति के चरित्र के बारे में नकारात्मक धारणा नहीं बनाई जा सकती। ऐसा कोई कानून नहीं है जो दो बालिग अविवाहित व्यक्तियों को अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो।

### समिति का निर्णय तर्कहीन

शीर्ष अदालत ने कहा कि धोखाधड़ी के आरोप को साबित करने के लिए यह दिखाना आवश्यक है कि शिकायतकर्ता को वास्तव में धोखे में रखा गया था। यह तथ्य मुख्य रूप से पीड़िता की गवाही से ही सिद्ध हो सकता था। जब शिकायतकर्ता स्वयं आरोपों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं थी और उसने समझौते के लिए सहमति दे दी, तब अथॉरिटी के लिए आरोपी के चरित्र पर संदेह करना उचित नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती समिति के निर्णय को मनमाना और तर्कहीन करार दिया।

# भावानुभाव के अंतिम दिन बही राधा-कृष्ण प्रेम की रसधारा

**भोपाल।** भारत भवन में आयोजित तीन दिवसीय नृत्य समारोह 'भावानुभाव' का समापन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथक नृत्यांगना मंजरी चतुर्वेदी की बहुचर्चित प्रस्तुति 'राधा रास राधा कन्हैया का किस्सा' के साथ हुआ। लगभग 75 मिनट तक चली इस प्रस्तुति ने दर्शकों को राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम, भक्ति, अध्यात्म और भारतीय सांस्कृतिक समन्वय की अद्भुत यात्रा पर ले जाकर भावविभोर कर दिया। प्रस्तुति का मूल भाव राधा और कृष्ण के उस अलौकिक प्रेम को केंद्र में रखता है, जिसने सदियों से भारतीय कला, साहित्य, संगीत और नृत्य को प्रेरित किया है। कथक की सशक्त अभिव्यक्ति के माध्यम से मंजरी चतुर्वेदी ने राधा के प्रेम, विरह, मिलन और आध्यात्मिक उत्कर्ष को मंच पर जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुति केवल नृत्य नहीं थी, बल्कि प्रेम और भक्ति की एक गहन आध्यात्मिक साधना प्रतीत हो रही थी। 'राधा रास' की विशेषता यह रही कि इसमें कृष्ण पर मुस्लिम कवियों द्वारा रचित काव्य और सूफी परंपरा से जुड़े साहित्य को कथक, संगीत और कहानी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति में यह दर्शाया गया कि प्रेम और भक्ति की कोई सीमाएं नहीं होतीं। अवध के नवाब वाजिद अली शाह द्वारा कृष्ण स्वरूप धारण कर रास की परंपरा को जीवित रखना, रामपुर के नवाब रज़ा अली द्वारा कृष्ण और राधा पर काव्य रचना, नज़ीर अकबराबादी और तुराब अली कलंदर जैसे कवियों की कृष्ण भक्ति तथा सूफी दरगाहों में आज भी गाई जाने वाली कृष्ण-केंद्रित कव्वालियों के प्रसंगों ने दर्शकों को भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। मंजरी चतुर्वेदी ने कथक की भावपूर्ण मुद्राओं और अभिव्यक्ति के माध्यम से राधा के मन की सूक्ष्मतम भावनाओं को साकार किया। कभी विरह की वेदना, कभी मिलन की उत्कंठा, कभी प्रेम का समर्पण और कभी आत्मा का परमात्मा से मिलन इन सभी भावों को उन्होंने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में यमुना, वृंदावन, शुक-संदेश और रासलीला जैसे प्रसंगों का कलात्मक चित्रण विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान यह भाव भी उभरकर सामने आया कि वृंदावन केवल एक स्थान नहीं, बल्कि प्रेम और भक्ति की ऐसी चेतना है जहां राधे-राधे केवल अभिवादन नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव का माध्यम बन जाता है।

### ड्राइविंग लाइसेंस के नियम होंगे सख्त

# फोर-व्हीलर के लिए 60 अंक जरूरी कमर्शियल के लिए 100 नंबर अनिवार्य

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

भोपाल सहित मध्य प्रदेश में ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल शुरू होने के बाद फोर-व्हीलर लाइसेंस बनवाने के नियम बेहद सख्त होने जा रहे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की नई व्यवस्था के तहत अब ड्राइविंग टेस्ट कुल 100 अंकों का होगा। इसमें सामान्य फोर-व्हीलर (निजी वाहन) का लाइसेंस पास करने के लिए आवेदकों को कम से कम 60 नंबर लाना अनिवार्य होगा। तय अंक से एक नंबर भी कम आने पर आवेदक को फेल घोषित कर दिया जाएगा और उसे दोबारा टेस्ट के लिए नया स्लॉट बुक करना होगा। वही, कमर्शियल (व्यावसायिक) ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को और भी कड़ा किया गया है। इसके लिए आवेदकों को 100 में से पूरे 100 अंक लाना अनिवार्य होगा, यानी छोटी सी गलती पर भी कमर्शियल लाइसेंस का आवेदन निरस्त हो जाएगा।

## सेंसर और कैमरों की डिजिटल निगरानी, गलती करते ही कटेंगे अंक

इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य केवल कुशल चालकों को ही सड़क पर वाहन उतारने की अनुमति देना है। पूरा ड्राइविंग टेस्ट पूरी तरह से सेंसर और अत्याधुनिक कैमरों की निगरानी में लिया जाएगा। वाहन संचालन के दौरान आवेदक द्वारा की गई हर छोटी-बड़ी गलती सिस्टम में स्वतः रिकॉर्ड हो जाएगी। टेस्ट ट्रैक पर लाइन तोड़ने, सिग्नल का पालन नहीं करने, वाहन पर से नियंत्रण खोने या निर्धारित ट्रैक पर त्रुटि करने पर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर द्वारा तुरंत अंक काट लिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सिग्नल का सही पालन करने और वाहन नियंत्रण की दक्षता पर भी अलग से अंक दिए जाएंगे।

## नई व्यवस्था के फायदे और आरटीओ का रुख

आरटीओ के जितेंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि परिवहन विभाग का मानना है कि इस डिजिटल टेस्ट से ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की पूरी प्रक्रिया में शत-प्रतिशत पारदर्शिता और विश्वसनीयता आएगी। भ्रष्टाचार या पैरवी के दम पर लाइसेंस बनवाने के खेल पर पूरी तरह रोक लगेगी। जब केवल पूरी तरह प्रशिक्षित चालकों को ही लाइसेंस मिलेगा, तो सड़क हादसों के ग्राफ में भी बड़ी गिरावट दर्ज होगी। भोपाल में वर्तमान में रोजाना औसतन 100 परमानेंट (स्थायी) लाइसेंस जारी किए जाते हैं। विभाग से जैसे ही अंतिम विस्तृत गाइडलाइन प्राप्त होगी, भोपाल में इस नई ऑटोमैटिक टेस्ट व्यवस्था को पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा।

### रंगमंच का महाकुंभ... 27 साल पुराने कलाकार फिर मंच पर

# रवीन्द्र भवन में 22वां 'स्मरण हबीब रंग आलाप' नाट्य महोत्सव आज से होगा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

रंगमंच के शिखर पुरुष हबीब तनवीर की पुण्यतिथि पर हम थियेटर ग्रुप द्वारा आयोजित 22वां स्मरण हबीब रंग आलाप नाट्य महोत्सव आज से 12 जून तक रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में आयोजित किया जाएगा। पांच दिवसीय इस महोत्सव में देश के चर्चित नाटकों का मंचन होगा।

इसका शुभारंभ सोमवार से विश्वप्रसिद्ध नाटक जिन लाहौर नई वेख्या वो जम्याई नई के मंचन से होगा। हबीब तनवीर की पुण्यतिथि पर प्रस्तुत यह नाटक असगर वजाहत द्वारा लिखित है और इस नाटक का प्रदर्शन नया थियेटर भोपाल के कलाकार करेंगे। विशेष बात यह है कि 27 वर्ष पहले इस नाटक में अभिनय करने वाले कई कलाकार एक बार फिर मंच पर दिखाई देंगे। महोत्सव का समापन हबीब तनवीर के विश्वविख्यात नाटक चरणदास चोर के मंचन के साथ होगा, जिसने देश-विदेश में ख्याति अर्जित की है। सभी नाटकों

का मंचन प्रतिदिन शाम 7 बजे से होगा। दर्शकों के लिए प्रवेश टिकट आधारित रखा गया है।

**अगरबत्ती बेहमई हत्याकांड पर आधारित:** जबलपुर के समागम रंगमंडल द्वारा अगरबत्ती नाटक का मंचन किया जाएगा। आशीष पाठक के इस नाटक को महिंद्रा एक्सीलेंसी थियेटर अवार्ड सहित बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट एक्टर, बेस्ट लाइट डिजाइन और बेस्ट प्ले के चार राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। इसका निर्देशन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली की स्नातक स्वाति दुबे ने किया है। आशीष पाठक द्वारा लिखित और स्वाति दुबे द्वारा निर्देशित हिंदी नाटक अगरबत्ती बेहमई हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर आधारित एक बेहद संवेदनशील व सशक्त नाटक है।

### कब किसका मंचन

**9 जून को** टेलीविजन अभिनेत्री और भोपाल की रंगकर्मी समता सागर द्वारा लिखित नाटक गुड़िया की शादी का मंचन होगा। बुंदेली बोली और संस्कृति पर आधारित इस प्रस्तुति को संजय श्रीवास्तव ने रंग प्रयोगशाला के कलाकारों के साथ तैयार किया है।

**10 जून को** समागम रंगमंडल, जबलपुर द्वारा चर्चित नाटक अगरबत्ती प्रस्तुत किया जाएगा। आशीष पाठक के इस नाटक को महिंद्रा एक्सीलेंसी इन थियेटर अवॉर्ड (मेटा) में सर्वश्रेष्ठ नाटक, निर्देशक, अभिनेता और लाइट डिजाइन सहित चार राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

**11 जून को** रंगायन भोपाल द्वारा मराठी नाटककार योगेश सोमन के चर्चित नाटक के हिंदी रूपांतरण चेकमेट का मंचन किया जाएगा। प्रशांत खिरवाड़कर के निर्देशन में होने वाली इस प्रस्तुति में वरिष्ठ रंगकर्मी प्रवीण महुवाले, राहुल रस्तोगी और महुआ चटर्जी अभिनय करते नजर आएंगे।

# शिक्षक उन्मुखीकरण : शिक्षा में एआई के प्रभावी प्रयोग पर कार्यशाला

**संतनगर. दोपहर मेट्रो।**

शहीद हेमू कलानी एजुकेशनल सोसाइटी ने शिक्षकों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स का प्रभावी प्रयोग विषय पर एक विशेष उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। इसकाउद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम तकनीकी संसाधनों से परिचित कराना था, ताकि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक और परिणामोन्मुखी बनाया जा सके। कार्यशाला का शुभारंभ सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने किया। उन्होंने उपस्थित विषय-विशेषज्ञों, प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों का स्वागत किया और आधुनिक शिक्षा में तकनीकी नवाचारों को अपनाने पर बल दिया।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता एवं विषय-विशेषज्ञ कीर्ति तोलानी ने आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में एआई टूल्स की उपयोगिता एवं आवश्यकता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न एआई प्लेटफॉर्म्स का लाइव प्रदर्शन करते हुए शिक्षकों को सिखाया कि वे किस प्रकार पाठ योजना निर्माण, प्रश्न पत्र निर्माण, मूल्यांकन और आकर्षक शिक्षण सामग्री तैयार करने में इन तकनीकों का स्मार्ट उपयोग कर सकते हैं।

**टीचिंग स्मार्टर विद ए.आई सत्र:** विशेषज्ञ चांदनी श्रीमाल ने टीचिंग स्मार्टर विद ए.आई विषय पर एक प्रेरणादायी सत्र का संचालन किया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उद्देश्य शिक्षकों का स्थान लेना नहीं, बल्कि उनकी दक्षता और कार्यक्षमता को बढ़ाना है।÷ उन्होंने बताया कि एआई की सहायता से शिक्षक कम समय में अधिक गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार कर सकते हैं और विद्यार्थियों के लिए व्यक्तिगत एवं आकर्षक शिक्षण अनुभव विकसित कर सकते हैं।

कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को केवल थ्योरी ही नहीं, बल्कि विभिन्न एआई-आधारित अनुप्रयोगों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यशाला में सोसायटी द्वारा संचालित स्कूलों के प्राचार्य, उप-प्राचार्य, कॉर्डिनेटर एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन कॉर्डिनेटर रीटा आहूजा ने किया।

# कायस्थ समाज की प्रतिभाओं को दिया सम्मान

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, मध्य भारत प्रदेश एवं भोपाल इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कायस्थ प्रतिभा सम्मान समारोह एवं चित्रांश पारिवारिक मासिक बैठक का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा, संचालन व व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी समाज के युवाओं ने संभाली जिनमें से अधिकांश विद्यार्थी थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वास कैलाश सारंग तथा विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अजातशत्रु श्रीवास्तव थे। कैलाश सारंग ने कहा कि जो समाज अपनी प्रतिभाओं का सम्मान करता है, वही समाज भविष्य में नेतृत्व करता है।÷ उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया तथा समाज को संगठित एवं प्रगतिशील बनाने का आह्वान

किया। अजातशत्रु श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने बच्चों से उच्च प्रशासनिक, तकनीकी एवं राष्ट्रीय स्तर के पदों तक पहुंचने का संकल्प लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 33 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। समारोह में केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं विशिष्ट उपलब्धियों को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने वाली कुमारी पूजा सिंह और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि एवं सुरक्षा अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पायल सक्सेना को विशिष्ट कायस्थ सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में समाज के दिवंगत वरिष्ठजनों की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न स्मृति पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी अदिति श्रीवास्तव को स्वर्गीय सोमेंद्र कुमार कुलश्रेष्ठ की पुण्य स्मृति में 3100 रु की सम्मान राशि सौरभ भावना कुलश्रेष्ठ द्वारा प्रदान की गई।

# ब्लेड मारने की फिराक में था ऐशबाग का शातिर जेबकतरा, पुलिस ने दबोचा

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

अयोध्या नगर थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों में जेब काटने और लोगों को डराने-धमकाने की नीयत से घूम रहे एक शातिर बदमाश को रैंडम चेकिंग के दौरान रंगे हाथों दबोचा है। पकड़ा गया आरोपी मूल रूप से ऐशबाग का रहने वाला है, जिसके पास से पुलिस ने 20 इंच लंबी एक बेहद खतरनाक और धारदार छुरी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि पुलिस कमिश्नर संजय कुमार और डीसीपी विकास सहवाल के निर्देश पर इलाके के हॉटस्पॉट और ब्लैंक स्पॉट पर पुलिस की रैंडम चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक धारदार हथियार लेकर वारदात की नीयत से घूम रहा है।

पुलिस टीम ने जब घेराबंदी की, तो आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। मुस्तैद जवानों ने दौड़कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक तरफ तेज धार और दूसरी तरफ नुकीले कांटों वाली 20 इंच की बड़ी छुरी बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम अनस खान पिता नफीस खान है, जो जनता क्वार्टर, ऐशबाग का रहने वाला है। आरोपी भोपाल में ऑटो चलाता है, लेकिन इसकी आड़ में वह बसों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और शराब दुकानों (वाइन शॉप) के बाहर कटी करने और वारदात को अंजाम देने का काम करता था। आरोपी अनस पुराना शातिर बदमाश है।

## रेल संरक्षा आयुक्त 12 को करेंगे निरीक्षण

**भोपाल।** रामगंजमंडी- भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत निर्मित श्यामपुर-कुरावर रेलखंड के कमीशनिंग कार्य के लिए रेल संरक्षा आयुक्त, मुंबई द्वारा 12 जून को विशेष निरीक्षण किया जाएगा। उक्त दिवस प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक श्यामपुर-कुरावर रेलखंड पर विभिन्न संरक्षा एवं तकनीकी मानकों का परीक्षण किया जाएगा।

**मेट्रो एंकर** शिल्प, व्यंजन, कठपुतली और लोकनृत्यों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

# नृत्य-नाट्य : राई, आल्हा से जीवंत हुआ बुंदेलखंड का गौरव

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की स्थापना के 13वें वर्षगांठ समारोह के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय 'महुआ महोत्सव' लोक संस्कृति, परंपरा और जनजातीय कला के विराट उत्सव के रूप में सामने आया है।

संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों की लोककलाओं, नृत्यों, गीतों, शिल्प और पारंपरिक व्यंजनों का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। विशेष अवसर को देखते हुए संग्रहालय सोमवार के साप्ताहिक अवकाश के दिन भी दर्शकों के लिए खुला रखा गया है। महोत्सव के दूसरे दिन सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहा 'महाबली छत्रसाल बुंदेल केसरी' नृत्य-नाट्य। भोपाल के रंगकर्मी

चन्द्रमाधव बारिक के पुनर्संयोजन में प्रस्तुत इस नाट्यकृति ने बुंदेलखंड के वीर शासक महाराजा छत्रसाल के जीवन, संघर्ष और स्वाभिमान को प्रभावशाली ढंग से मंच पर साकार किया। डॉ. भगवतीलाल पुरोहित द्वारा लिखित और मिलिंद त्रिवेदी द्वारा संगीतबद्ध इस प्रस्तुति में बुंदेली राई नृत्य, आल्हा गायन और तलवारबाजी के दृश्य दर्शकों को रोमांचित करते रहे।

नृत्य-नाट्य में बालक छत्रसाल के स्वराज संकल्प से लेकर मुगल सत्ता के विरुद्ध उनके संघर्ष, स्वतंत्र बुंदेला राज्य की स्थापना तथा बाजीराव पेशवा के साथ उनके ऐतिहासिक संबंधों को नाटकीय प्रभाव के साथ प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का सबसे सशक्त पक्ष यह रहा कि इसमें छत्रसाल को केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि धर्मनिष्ठ, प्रजावत्सल और स्वाभिमानी शासक के रूप में उभारा गया। हालांकि कुछ प्रसंगों को और विस्तार दिया जा सकता था, फिर भी मंचीय प्रभाव और लोक तत्वों के कारण प्रस्तुति दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल रही।

## श्रीमद्भागवत कथा से समाज को मिलती है संस्कृति और संस्कारों की प्रेरणा -मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्रीडॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उज्जैन जिले के ग्राम टंकारिया पंथ में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के समापन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को नैतिक मूल्यों, संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कथा आयोजन से जुड़े संत-महात्माओं, आयोजकों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

### पंचायतों की भूमिका खत्म, कलेक्टर-एसडीएम होंगे प्रमुख

# कॉलोनी के लिए अफसर परमिशन दें या न दें- 75 दिन बाद खुद ही मिल जाएगी मंजूरी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

प्रदेश सरकार कॉलोनी विकास व्यवस्था में व्यापक सुधार की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित नए नियमों के तहत अब शहरों और ग्राम पंचायत क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास के लिए अलग-अलग प्रावधान नहीं रहेंगे। पूरे प्रदेश में एक समान नियम लागू किए जाएंगे, जिससे अनुमतियों और विकास कार्यों की प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बन सके। नए मसौदे के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलोनी विकास संबंधी मामलों की जिम्मेदारी कलेक्टर के पास होगी, जबकि नगरीय क्षेत्रों में यह अधिकार एसडीएम को दिया जाएगा। इसके साथ ही कॉलोनी

विकास प्रक्रिया में ग्राम पंचायतों की भूमिका समाप्त हो जाएगी। सरकार ने अनुमति प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के लिए डीम्ड अप्रूवल का प्रावधान भी प्रस्तावित किया है। इसके तहत यदि संबंधित अधिकारी आवेदन प्राप्त होने के 60 दिनों के भीतर कोई निर्णय नहीं लेते हैं और नोटिस जारी होने के बाद भी 15 दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं होती, तो कॉलोनी विकास की अनुमति स्वतः स्वीकृत मानी जाएगी।

### सभी कॉलोनाइजरों की आनलाइन होगी निगरानी

पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से सभी कॉलोनाइजरों की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। प्रत्येक कॉलोनाइजर का डिजिटल प्रोफाइल तैयार होगा, जिसमें अनुमति, विकास कार्यों की प्रगति और संपत्तियों से जुड़ी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। इससे भूखंड या मकान खरीदने वाले लोग किसी भी कॉलोनी की स्थिति ऑनलाइन जांच सकेंगे। सरकार ने कॉलोनाइजरों की जवाबदेही भी बढ़ाई है। यदि सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति या सीवर जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास कार्य अधूरे पाए जाते हैं, तो प्रशासन बंधक रखी गई संपत्तियों का उपयोग कर शेष कार्य पूरे करा सकेगा।

### जल संरक्षण पर मप्र की पहल को मिली अंतर्राष्ट्रीय सराहना

# विदेशी राजनयिकों ने मध्यप्रदेश मॉडल को सराहा, छह देशों के प्रतिनिध अपने देश में लागू करने के इच्छुक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

जल ही जीवन है और इस जीवनदायी संपदा को सहेजने की दिशा में मध्यप्रदेश अब समूचे विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अभिनव पहल पर प्रदेश में शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अब केवल एक सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि जनभागीदारी का एक सशक्त जन-आंदोलन बन चुका है। नदियों, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन की इस भागीरथी कोशिश को अब अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अभूतपूर्व सराहना मिल रही है।

भोपाल के ऐतिहासिक भारत भवन में आयोजित सदानीरा समागम ने जल संरक्षण को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस भव्य आयोजन में साइप्रस, फिजी, मेक्सिको, नेपाल, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और इक्वाडोर के राजनयिकों ने न केवल सहभागिता की, बल्कि जल प्रबंधन के इस मध्यप्रदेश मॉडल को आज की सबसे बड़ी वैश्विक जरूरत बताते हुए इसे अपने देशों में भी लागू करने की प्रबल इच्छा जताई है। जल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते प्रदेश के ये कदम वैश्विक पटल पर एक नया इतिहास रच रहे हैं। इस सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में साइप्रस के उच्चायुक्त इवागोरस वराईओनाइडेस ने कहा कि जल संकट एक गंभीर वैश्विक चुनौती है और इसके समाधान के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने वीर भारत न्यास के साथ संवाद को सार्थक बताते हुए जानकारी दी कि साइप्रस का सांस्कृतिक दल 20-21 जून 2026 को भोपाल में अपनी प्रस्तुतियां देगा।

### मेक्सिको और नेपाल ने जल संरक्षण को बताया साझा जिम्मेदारी

मेक्सिको दूतावास की संस्कृति प्रमुख सुश्री वनेसा एड्रियन ने जल संरक्षण को एक साझा वैश्विक समस्या बताते हुए कहा कि जल और नदियों को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना अत्यंत सराहनीय कदम है। उन्होंने भारत और मेक्सिको को प्राचीन सभ्यताओं का उत्तराधिकारी बताते हुए आपसी सहयोग से साझा समाधान विकसित करने पर बल दिया। इसी तरह, नेपाल दूतावास के प्रथम सचिव श्री दीपक पोरखिरे ने कहा कि यह आयोजन प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का बोध कराता है। उन्होंने ट्राइबल म्यूजियम के भ्रमण का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों की सांस्कृतिक परंपराओं, जीवन मूल्यों और सामाजिक संवेदनाओं में इतनी गहरी समानता है कि भारत आकर उन्हें अपने ही गांव जैसा आत्मीय अनुभव हुआ।

**त्रिनिदाद एवं टोबैगो और इक्वाडोर अपनाएंगे यह अभिनव पहल** त्रिनिदाद एवं टोबैगो के उच्चायुक्त महामहिम श्री चंद्रदत सिंह ने इस आयोजन को पर्यावरणीय सरोकारों को सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का उत्कृष्ट प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल वैश्विक स्तर पर एक साझा जिम्मेदारी का सशक्त संदेश देती है। वहीं, इक्वाडोर के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन श्री जॉर्ज विनिशियो अनरंगो ने मध्यप्रदेश शासन और वीर भारत न्यास के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने यह ऐतिहासिक घोषणा की कि मध्यप्रदेश की इस प्रेरणादायी पहल से सीख लेते हुए वे भी शीघ्र ही इक्वाडोर में जल संरक्षण को समर्पित 'सदानीरा संगम' का आयोजन करेंगे।

### जल आत्मनिर्भरता का नया इतिहास लिख रहा मध्यप्रदेश

एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका और कैरेबियन देशों से आए राजनयिकों ने न केवल इस समागम में हिस्सा लिया, बल्कि जनभागीदारी आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान के नवाचारों को गहन रुचि से समझा। मध्यप्रदेश सरकार जल आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रही है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 12 हजार से अधिक जल संरचनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है और सरकार का लक्ष्य 3 लाख 66 हजार तक पहुँचने का है। इस अभियान को जिस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना और स्वीकार्यता मिल रही है, वह प्रदेश के लिए किसी वैश्विक सम्मान से कम नहीं है। सीमाओं से परे जाकर यह मध्यप्रदेश मॉडल अब समूचे विश्व समुदाय के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत बन रहा है।

### दिल्ली अग्निकांड के बाद एक्शन में सरकार

# एमपी के सभी मॉल, कॉलेज और होटलों में अग्नि सुरक्षा के उपायों की होगी जांच

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

दिल्ली के मालवीय नगर के हौजरानी में स्थित फ्लारिस स्टे होटल में हुए अग्निकांड को लेकर प्रदेश सरकार अलर्ट मोड में आ गई है। दिल्ली अग्निकांड के बाद प्रदेश के सभी मॉल, कॉलेज, होटल, रेस्टोरेंट में अग्नि सुरक्षा के उपायों की जांच की जाएगी। सभी भवनों में फायर सेफ्टी सिस्टम लगा है या नहीं इसका परीक्षण किया जाएगा।

इसके अलावा ऐसे भवन जिन्हें एबी पास (ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम) से भवन अनुज्ञा जारी हुए तीन वर्ष या उससे अधिक समय हो गया है तो उनकी फायर एनओसी (अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण-पत्र) व सर्टिफिकेट का परीक्षण किया जाएगा। जिन प्रकरणों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा अनुमतियां, फायर एनओसी अथवा अन्य वैधानिक प्रविधानों का अनुपालन नहीं पाया जाता है, उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसका संक्षिप्त प्रतिवेदन, प्रकरणवार विवरण सहित संचालनालय को भेजना होगा। ऐसे भवन जिनका फायर ऑडिट नहीं हुआ है उनको नोटिस देकर फायर ऑडिट कराया जाएगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने समस्त नगर निगम आयुक्तों, सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को निर्देश जारी किया है। निर्देश में यह भी उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) के अंतर्गत आने वाले भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रविधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

### 15 मीटर से ऊंचे और बड़े भवनों में एनबीसी नियमों का पालन हुआ अनिवार्य

### वर्ष 2022 से फायर एनओसी देने का है नया नियम

वर्ष 2022 में फायर एनओसी देने के नए नियम बनाए गए थे। जिसमें अस्थायी या प्रोविजनल एनओसी देने पर रोक लगा दी गई और नियम अनुसार आवेदन करने पर ही एनओसी देने की व्यवस्था की गई है। अस्पताल खोलने या पुराने के नवीनीकरण के लिए 12 दस्तावेज मांगे जाते हैं। इनमें फायर एनओसी सख्ती से अनिवार्य की गई है। ई-नगर पालिका पोर्टल पर एनओसी देने की व्यवस्था की गई है। लेकिन प्रदेश में भी सरकारी भवनों व अस्पतालों में आग से शासकीय संपत्ति व जनहानि हो चुकी है। सतपुड़ा भवन और फिर मंत्रालय में भीषण आग से सरकारी दस्तावेज सहित शासकीय संपत्ति की हानि हुई थी। प्रदेश के अस्पतालों में भी आग की घटना से कई बच्चों को अपनी जान गंवाना पड़ी थी। प्रदेश के छह बड़े अस्पतालों में आग लगने से बच्चे, वृद्ध सहित 25 से अधिक मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं।

### सरकारी अस्पतालों में होगा आंखों का हाईटेक इलाज

# अब प्रदेश में मुफ्त मिलेंगी प्राइवेट अस्पतालों जैसी महंगी सुविधाएं

### शुगर मरीजों के पर्दे की जांच के लिए आ रहे हैं 51 एआई फंडस कैमरे

### बिजली जाने पर भी नहीं रुकेगा मोतियाबिंद का ऑपरेशन, मिला पावर बैकअप

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

प्रदेश के जिला और सिविल अस्पतालों में आंखों की जांच और ऑपरेशन की व्यवस्था को निजी अस्पतालों की तर्ज पर हाईटेक बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। अब तक जिन आधुनिक मशीनों से इलाज सिर्फ बड़े और महंगे प्राइवेट अस्पतालों में ही मुमकिन था, वे अब सरकारी अस्पतालों में भी सुलभ होंगी। सरकार के इस कदम से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा फायदा होगा और मरीजों को आंखों के बड़े आपरेशनों व पर्दे (रेटिना) की जांच के लिए भारी-भरकम फीस देकर निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रूप से शुगर (डायबिटीज) के मरीजों की आंखों की सुरक्षा के लिए 51 खास फंडस कैमरे लाए जा रहे हैं। डायबिटीज के मरीजों में आंख का पर्दा खराब होने और रोशनी जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है, जिसे रोकने में ये कैमरे मददगार साबित होंगे। ये कैमरे पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक से चलेंगे। इसके जरिए दूर-दराज के गांवों या छोटे शहरों के मरीज की आंख का फोटो खींचकर, इंटरनेट के माध्यम से राजधानी के बड़े डाक्टरों को भेजा जा सकेगा।

### मशीनों में रहेगा एक घंटे का पॉवर बैकअप

इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में मोतियाबिंद और आंखों के दूसरे पेचीदा आपरेशनों के लिए अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप मशीनें आ रही हैं। इन मशीनों में बेहद साफ दिखने वाले खास लेंस लगे हैं, जिससे डाक्टर बारीक से बारीक नस को साफ देख सकेंगे। डाक्टर इन्हें पैर से चलने वाले रिमोट (फुट स्विच) से आसानी से संभाल सकेंगे। सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन मशीनों में एक घंटे का पावर बैकअप रहेगा, जिससे अगर आपरेशन के दौरान अचानक बिजली गुल भी हो जाए, तो भी मरीजों का आपरेशन बीच में नहीं रुकेगा।

- प्रदेश में आंखों के इलाज और आपरेशनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की मशीनें खरीदी जा रही हैं। 51 फंडस कैमरों में एआई तकनीक होने से ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी घर बैठे बड़े विशेषज्ञों की सलाह मिल सकेगी। इन हाईटेक उपकरणों को जल्द ही अस्पतालों में स्थापित किया जाएगा।

– मयंक अग्रवाल, एमडी, एमपी पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कार्पोरेशन।

### पीएम सूर्य घर योजना में 1.33 लाख से ज्यादा सौर संयंत्र स्थापित

**भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा को लेकर नागरिकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 33 हजार 121 सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश में कुल 498.03 मेगावॉट सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। साथ ही हितग्राहियों को अब तक 942.19 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इस योजना से परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना मध्यप्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आमजन को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में स्थापित हो रही है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी है। यहां 54 हजार 773 संयंत्र स्थापित किए गए।

### भ्रष्टाचार की जांच करने वाले लोकायुक्त अफसरों पर 'विजिलेंस सेल' रखेगी नजर

# लोकायुक्त दफ्तरों में सीसीटीवी लगेंगे, विजिटर का भी रिकॉर्ड

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मप्र लोकायुक्त संगठन ने पहली बार अपने ही अधिकारी-कर्मचारियों की निगरानी के लिए इंटरनल विजिलेंस सेल गठित की है। डीआईजी स्तर के अधिकारी की अगुआई में बनी यह सेल सीधे डीजी को रिपोर्ट करेगी। वहीं विवेचना अधिकारियों के कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रॉपर्टी रिटर्न की भी जांच होगी।

जानकारी के मुताबिक एक एजेंसी

ने स्टिंग ऑपरेशन में लोकायुक्त में केस प्रभावित कराने, रिश्वत मांगने के नेटवर्क उजागर किया था। खुलासे के बाद संगठन ने अपने आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने के कदम उठाए हैं।

### गंभीर अनियमितताओं पर बर्खास्त किए जाएंगे

**7 जोन :** लोकायुक्त मुख्यालय सहित 7 जोन ऑफिसों में विवेचना अधिकारियों के कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

**विजिलेंस:** इंटरनल विजिलेंस सेल अधिकारियों-कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखेगी। वार्षिक प्रॉपर्टी रिटर्न भी जांच के दायरे में रहेगी।

**विजिटर:** लोकायुक्त ऑफिस में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान दर्ज होगी। किससे, क्यों मिले, यह भी रिकॉर्ड रहेगा।

**बर्खास्तगी:** डीजी योगेश देशमुख ने कहा है कि गंभीर अनियमितताओं के मामलों में बर्खास्तगी तक की कार्रवाई भी की जाएगी।

**मेट्रो एंकर** वैश्विक बौद्ध धरोहर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले उच्च शिक्षा मंत्री

# बौद्ध सर्किट विकास से विश्व पर्यटन मानचित्र पर उभरेगा प्रदेश

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि भारतीय परम्परा में ज्ञान का सर्वोच्च स्थान रहा है। भारत का सनातन दर्शन केवल ज्ञान अर्जन का नहीं, बल्कि ज्ञान को साधना बनाकर आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करने का दर्शन है। नमेव शक्ति की चेतना से प्रेरित होकर ÷नर से नारायण÷ बनने का यह सतत उपक्रम ही भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत महानता का आधार रहा है।

परमार रविवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन के गौरांजनी सभागार में आयोजित मध्यप्रदेश वैश्विक बौद्ध धरोहर केंद्र विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश को वैश्विक बौद्ध धरोहर केंद्र के रूप में स्थापित करने हेतु आवश्यक प्रयासों एवं पहलों पर अपने विचार व्यक्त किए।

परमार ने कहा कि भारत का मूल दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है, जिसमें संपूर्ण सृष्टि के कल्याण का भाव निहित है। इसी सनातन विचारधारा को भगवान गौतम बुद्ध ने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित किया। श्री परमार ने कहा कि भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थस्थलों को आस्था एवं पर्यटन के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित किए जाने से भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक वैभव विश्वमंच पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित होगा।

### सांची केंद्रित बौद्ध सर्किट के विकास पर सरकार का विशेष फोकस

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि आज जब विश्व हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव और नैतिक संकटों से जूझ रहा है, तब भगवान बुद्ध का दर्शन और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सांची को केंद्र में रखते हुए सतधारा, सोनारी, अंधेर, मुरेलखुर्द तथा बाघ गुफाओं को जोड़कर एक सुव्यवस्थित मध्यप्रदेश बौद्ध हेरिटेज सर्किट विकसित कर रही है। इसके अंतर्गत आधारभूत संरचना और पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

## युद्धविराम की क्रूर भाषा

दुनिया के इतिहास में युद्धविराम हमेशा उम्मीद का शब्द रहा है। इसी वक्त में बारूद की गंध के बीच इंसानियत की कोई छोटी-सी किरण दिखाई देती है। यदि युद्धविराम की घोषणा के साथ ही युद्ध की धमकियां भी गूंजने लगें, यदि शांति की मेज के समानांतर मिसाइलों की तैनाती जारी रहे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर शांति है कहां? मध्य-पूर्व का वर्तमान परिदृश्य इसी विरोधाभास का जीवंत उदाहरण बन गया है। एक ओर समझौते और संवाद की संभावनाओं की चर्चा है, दूसरी ओर सैन्य शक्ति के प्रदर्शन और प्रतिशोध की चेतावनियां लगातार माहौल को अस्थिर कर रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो युद्ध ने अपना स्वरूप बदल लिया हो। अब वह केवल रणभूमि में नहीं, बल्कि राजनीतिक बयानों, कूटनीतिक संदेशों और आर्थिक दबावों के माध्यम से भी लड़ा जा रहा है। विश्व राजनीति में अक्सर देखा गया है कि युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे समाप्त करना सबसे कठिन कार्य बन जाता है। एक बार जब राष्ट्र अपनी प्रतिष्ठा, शक्ति और रणनीतिक हितों को युद्ध से जोड़ लेते हैं, तब पीछे हटना कमजोरी और आगे बढ़ना विनाश का प्रतीक बन जाता है। यही दुविधा आज वैश्विक शक्तियों के सामने खड़ी दिखाई देती है। इस संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष लोकतंत्र और सत्ता के बीच संतुलन का है। जब किसी देश की संसद युद्ध नीति पर सवाल उठाती है और कार्यपालिका की शक्तियों को सीमित करने का प्रयास करती है, तब यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं होता। यह उस मूल प्रश्न को सामने लाता है कि क्या युद्ध का निर्णय कुछ नेताओं की इच्छा पर आधारित होना चाहिए या फिर जनता की सामूहिक चेतना और लोकतांत्रिक संस्थाओं की सहमति से संचालित होना चाहिए? लेकिन युद्ध का सबसे बड़ा शिकार न तो सेनाएं होती हैं और न ही सत्ता के गलियारों में बैठे रणनीतिकार। इसकी सबसे भारी कीमत आम नागरिक चुकाता है। कहीं घर उजड़ते हैं, कहीं रोजगार समाप्त होते हैं, कहीं महंगाई लोगों की थाली से भोजन कम कर देती है। तेल, गैस, खाद और परिवहन लागत में बढ़ोतरी का प्रभाव अंततः उन लोगों तक पहुंचता है जिनका युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हथियारों की चमक संवाद की रोशनी को ढंकती नजर आ रही है। किंतु इतिहास का सबसे बड़ा सत्य यही है कि युद्ध अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त होते हैं।

# याद रखना चाहिए... जिमखाना ही नहीं राष्ट्रपति भवन खाली करने के प्रस्ताव भी रहे हैं

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

राजधानी के विशिष्ट संपन्न लोगों के जिमखाना क्लब खाली करने के नोटिस पर इनदिनों कुछ नामी लोगों ने बचाव में उसकी तुलना राष्ट्रपति भवन की ऐतिहासिक हेरिटेज महत्ता से कर दी। तो मुझे ध्यान आया कि सचमुच वर्षों पहले राष्ट्रपति भवन को खाली करने का प्रस्ताव भी शहरी विकास कल्याण मंत्रालय और प्रधान मंत्री कार्यालय के बीच चलता रहा है। चौंकिए नहीं, तथ्यों की पुष्टि सरकारी दस्तावेजों से हो सकती है। हाँ यह प्रस्ताव प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के कार्यकाल में नहीं आया। ऐसा प्रस्ताव किसी कम्युनिस्ट नेता या किसी आंदोलनकारी संगठन ने नहीं रखा। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे महामहिम राष्ट्रपति ने स्वयं यह प्रस्ताव किया। उनका तर्क था कि लोकतान्त्रिक गांधीवादी राष्ट्र भारत के राष्ट्रपति को ब्रिटिश राज वाले बड़े भारी भवन में नहीं रहना चाहिए। वह किसी अन्य बड़े बंगले में रह सकते हैं।

यह बात इसलिए मुझे ध्यान में आई, क्योंकि मार्च 1978 में मैंने साप्ताहिक हिंदुस्तान (हिंदुस्तान टाइम्स प्रकाशन) के राजनीतिक संवाददाता के रुप में तत्कालीन राष्ट्रपति के इस प्रस्ताव पर करीब तीन पेज की लम्बी विशेष रिपोर्ट 'राष्ट्रपति भवन : बिगुल बजे या न बजे !' शीर्षक से लिखी थी। प्रकशित लेख की प्रति आज भी मेरी फाइल्स में है। भारत का राष्ट्रपति भवन केवल एक सरकारी निवास नहीं बल्कि भारतीय गणराज्य का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। बहुत कम लोगों को पता है कि 1977-78 में ऐसा समय भी आया जब राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन से हटाकर किसी छोटे भवन में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, गृह मंत्री, शहरी विकास मंत्री के बीच फ़ाइल घूमती रही। 1977 का वर्ष भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव का वर्ष था। आपातकाल समाप्त हुआ, सत्ता बदली और पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनी। इस नए राजनीतिक वातावरण में बड़े सरकारी खर्च, औपनिवेशिक विरासत और सत्ता के प्रतीकों पर सवाल उठने लगे। इसी माहौल में यह प्रश्न उठा कि क्या दुनिया के सबसे बड़े सरकारी आवासों में गिने जाने वाले राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति का रहना उचित है? राष्ट्रपति भवन मूल रूप से ब्रिटिश वायसराय के निवास के रूप में बनाया गया था। इसमें लगभग 340 कमरे हैं और यह विशाल परिसर में फैला हुआ है। इसे औपनिवेशिक शक्ति प्रदर्शन के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता रहा है।इतने विशाल परिसर के रखरखाव पर भारी सरकारी खर्च होता था। सादगी और मितव्ययिता की राजनीति करने वाले वरिष्ठ नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या यह खर्च उचित है? कुछ नेताओं का मानना था कि स्वतंत्र भारत को ब्रिटिश साम्राज्य की विरासत वाले भव्य प्रतीकों से दूरी बनानी चाहिए।कुछ विचार यह भी सामने आए कि इतनी विशाल इमारत को संग्रहालय, राष्ट्रीय संस्थान, सार्वजनिक उपयोग या अन्य सरकारी कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

जनता पार्टी की सरकार लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में भारी जन समर्थन से सत्ता में आई थी। राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी, प्रधान मंत्री मोरारजी देसाई, गृह मंत्री चौधरी चरण सिंह, रक्षा मंत्री जगजीवन राम सभी गांधीवादी आदर्शों की बातें कर रहे थे। सबसे पहले मेरा ध्यान संसद के संयुक्त अधिवेशन के उद्घाटन के लिए अभिभाषण करने के लिए राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने बग्गी में आने की पुरानी परम्परा त्याग छह दरवाजों वाली पुरानी कार से संसद पहुंचे। इस तथ्य के साथ मैंने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि संसद के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रपति के आगमन के समय तुमुलनाद नहीं क्याा गया। मैं 1972 से संसद की रिपोर्टिंग करता रहा था। इसलिए जानता था कि परम्परा के अनुसार राष्ट्रपति के प्रवेश के ठीक पहले सेन्ट्रल हाल के ऊपर की गैलरी से दो बिगुल वादक बिगुल बजा उनके आने की सूचना देते हैं। लेकिन पता चला यह बिगुलवादन बंद कराने का आदेश स्वयं राष्ट्रपति ने दिया था। तभी मैंने रिपोर्ट का शीर्षक बिगुल बजे, न बजे दिया।

इसी कड़ी में यह बात सामने आई कि राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने स्वयं यह प्रस्ताव आगे बढ़वाया कि इस भव्य भवन के बजाय भारत के राष्ट्रपति किसी छोटे बंगले में रह सकते हैं। गांधीवादी मोरारजी देसाई ने भी पहले इस बात को उचित मान पसंद किया। तब विभिन्न सम्बंधित मंत्रालयों के बीच यह फाइल चली कि राष्ट्रपति किस बंगले में रह सकते हैं। कई विकल्पों में एक इण्डिया गेट के पास हैदराबाद हाउस का भी था। इस प्रस्ताव पर अंदरूनी जानकारी लेने के प्रयास में मुझे पता चला कि असल में आजादी से ठीक पहले 28 जुलाई 1947 को महात्मा गाँधी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू और वाइसराय लार्ड लुइस माउंटबेटन को पत्र लिखकर यह आग्रह किया था कि ' स्वाधीन भारत का राष्ट्राध्यक्ष छोटे भवन में रहना चाहिए। ' लेकिन पंडित नेहरू और माउंटबेटन ने इस सलाह पर अपनी असहमति व्यक्त कर दी। मामला ताल गया। 1977 के चुनाव भी एक तरह से जनतांत्रिक क्रांति और बदलाव के थे। इसलिए प्रस्ताव पर विचार होने लगा। लेकिन सबसे बड़ी कठिनाई सुरक्षा व्यवस्था और विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के साथ होने वाले समारोह, बैठकों आदि की बताई गई। नतीजा यह हुआ कि प्रस्ताव क्रियान्वित नहीं हो सका। बहरहाल, वर्तमान सन्दर्भ में तो सुरक्षा कारणों से राष्ट्रपति भवन केवल संग्रहालय नहीं बन सकता। लेकिन यदि देश के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता अपने कार्यालय बदलने को तैयार हो सकते थे, तो उसी परम्परा वाले सरकारी सेवाओं, सेना में रह चुके अपने को महान समझने वाले अधिकारी और देश के प्रभावशाली सम्पन्न लोग क्या अपने क्लब के स्पोर्ट्स मनोरंजन के केंद्र, शराबखाना (बार) लंच डिनर की यादगार कुर्सियां टेबल (यदि अन्य बड़े क्लबों की तरह बैड आदि हो) किसी अन्य बिल्डिंग में नहीं ले जा सकते हैं ? वैसे अब यह विवाद शायद सम्मानित सर्वोच्च अदालत से ही सुलझेगा।

हाँ, इसी सन्दर्भ में 1978 की रिपोर्ट के एक अन्य तथ्य की याद दिलाना उचित लगता है। इस रिपोर्ट में मैंने पंडित नेहरू के निधन के बाद प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री द्वारा तीनमूर्ति भवन को नेहरू संगहालय बनवाने और स्वयं अपने लिए पहले से मिले हुए 10 जनपथ वाले छोटे बंगले में रहने के निर्णय का उल्लेख किया था। 10 जनपथ नई दिल्ली के लुटियंस ज़ोन का एक सरकारी बंगला है। यह ब्रिटिश काल में बने सरकारी बंगलों की श्रृंखला का हिस्सा था, जिनका निर्माण मुख्य रूप से 1920-30 के दशक में हुआ।दिलचस्प बात यह है कि 1964 से अब तक 10 जनपथ सत्ता के गलियारों में सबसे महत्वपूर्ण और चर्चित रहा है। विडम्बना यह है कि शास्त्रीजी के बहुत जल्द असामयिक निधन के बाद उनका परिवार कुछ वर्ष इस बंगले में रहा और बाद में कांग्रेस नेतृत्व के करीबी मंत्रियों और अधिकारियों नेक्इस बंगले के एक हिस्से को अलग 1 मोतीलाल नेहरु मार्ग बनाकर लालबहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय नाम दे दिया। मुख्य बंगले में प्रधान मंत्री पद से हटने के बाद राजीव गांधी और फिर सोनिया गाँधी तथा परिवार रहने लगा। सासंद बनने से पहले राहुल गांधी भी 10 जनपथ में रहे। सत्ता का केंद्र रहने के कारण ही कांग्रेस राज में 24 अकबर रोड और उससे जुड़ा बंगला कांग्रेस पार्टी मुख्यालय की तरह उपयोग में आता रहा। एक दिलचस्प बात यह है कि सरकारी रिकार्ड्स के अनुसार सन 2020 तक 10 जनपथ बंगले का किराया मात्र 4610 रूपये महीना रहा है। फिर भी कुछ वर्षों तक इसका किराया न चुकाए जाने के विवाद मंत्रालयों के साथ मीडिया में आते रहे। जिमखाना की जमीन का किराया समय पर न देने और करोड़ों के बकाए का विवाद चलता रह सकता है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# प्रकृति की उपासना करते हुए ही संभव है जीवन का अविरल प्रवाह

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस. के पूर्व अध्यक्ष

पृथ्वी व्यथित है। पृथ्वी की व्यथा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तमाम प्रयास हुए। परसों अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का आयोजन हुआ। पृथ्वी के अंगभूत जल, वायु, वनस्पति और सभी प्राणी आधुनिक जीवनशैली के हमले के शिकार हैं। पृथ्वी असाधारण संरचना है। 'ऋग्वेद के अनुसार वह पर्वतों का भार वहन करती है। वन वृक्षों का आधार है। वही वर्षा करती है। वह बड़ी और दृढ़ है। प्रकाशवान है।'

अमेरिकी विद्वान ब्लूमफील्ड ने अथर्ववेद का अनुवाद किया और पृथ्वी सूक्त की प्रशंसा की 'पृथ्वी ऊंची है, ढलान और मैदान भी हैं। यह वनस्पतियों का आधार है और बहुविधि कृपालु है।' पृथ्वी सूक्त के कवि अथर्वा हैं। अथर्वा कहते हैं 'पृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध सबमें है, वनस्पतियों में है। यह पृथ्वी संसार की धारक व संरक्षक है। वह पर्जन्य की पत्नी है। यह विश्वम्भरा है। पृथ्वी पर जन्मे सभी प्राणी दीर्घायु रहें। हम माता पृथ्वी को कष्ट न दें। यह माता है।

पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, सभी जीव पर्यावरण चक्र के घटक हैं और जीवन के संरक्षक भी। इनमें वायु महत्वपूर्ण हैं। ऋग्वेद का ऋषि (ऋ 01.90.6) कवि वायु को ही प्रत्यक्ष ब्रह्म या ईश्वर बताता है 'त्वमेव प्रत्यक्ष ब्रह्म असि।' वायु प्राण है। वायु से आयु है। विश्व पर्यावरण के सूत्र भारत की ही धरती पर खोजे गए थे। शुद्ध पर्यावरण ही जीवन का आधार है। भारत के जनगणमन की प्राचीन संवेदनशीलता के खो जाने के कारण आज का भारत भूमण्डलीय ताप के खतरे में संवेदनशील है। पुरातन के गर्भ से युगानुकूल अधुनातन का विवेक चाहिए। विकास की भारतीय परिभाषा के सूत्र भी इसी में हैं।

पर्यावरण का असंतुलन विश्व विनाश की आहट है। पृथ्वी अशांत है, भूस्खलन और भूकम्प है। वायु अशांत है, आंधी और तूफान है। जल अशांत है, बाढ़, अतिवृष्टि। अनावृष्टि के कोप हैं। वन उपवन अशांत हैं। अपनी प्राण रक्षा करें तो कैसे करें। सभी जीव अशांत हैं। पक्षी कहां रैन बसेरा बनाएं? यजुर्वेद (यजु 36.17) के कवि ऋषि ने सहस्त्रों वर्ष पहले अभिलाषा की थी 'अंतरिक्ष शांत हो। पृथ्वी शांत हो। वायु और जल शांत हों। वनस्पतियां औषधियां शांत हों। सर्वत्र सबकुछ शांत प्रशांत हों।' यह ऋषि कवि संभवतः भविष्य का ताप उत्ताप देख रहा था। उसने शांतिपाठ के माध्यम से भरतजनों का मार्ग दर्शन किया था। विश्वबैंक आदि संस्थाओं के आकलन भी ऐसे ही आते हैं लेकिन दोनों में आधारभूत अंतर है। ऋषि के सामने जीडीपी गिरावट की समस्या नहीं थी। वह संपूर्ण विश्व का आनंद अभ्युदय ही देख रहा था।

मूलभूत प्रश्न है कि आखिरकार क्या वन उपवन उजाड़ कर, कंक्रीट के महलों से प्राणवायु, रस या गंध का आनंद ले सकते हैं? ऐसे टिकाऊ विकास में हम टिकाऊ नहीं हैं। हमारा जीवन क्षणभंगुर और विकास टिकाऊ? दुनिया विकास के नाम पर ही नष्ट होने के कगार पर है। विकास की परिभाषा क्या है? क्या हम प्राणलेवा विषभरी वायु में मर जाने के बदले विकास चाहते हैं? क्या हम विकास के नाम पर औद्योगिक कचरे के आर्सेनिक, लेड आदि रसायनों से भरे पानी को पीने के लिए विवश है?

वृक्ष वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं। वृक्ष कट रहे हैं। वन क्षेत्र घट रहे हैं। पेड़ कटाई की अनुमति सामान्य कर्मकाण्ड है। पेड़ कटाई की अनुमति में पर्यावरण कोई विषय नहीं होता। नगरों-महानगरों के अराजक विस्तार में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई होती है। नगरीय विस्तार की कोई सीमा नहीं है। नगर अपने विस्तार में जल, जंगल और जमीन को निगलते रहते हैं। नगर क्षेत्र विस्तार की पर्यावरण मित्र नीति बनानी चाहिए। पेड़ भी प्राणी है। वे प्रकृति से ही सभी जीवों के लिए प्राणवायु देते हैं। कथित विकास मानव जीवन से दूर है और उपभोक्तावादी हैं। वैदिक पूर्वज पेड़ों को नमस्कार करते थे। आधुनिक मन को यह हास्यास्पद लग सकता है लेकिन इसकी मूल भूमि पर्यावरण संरक्षण ही है। भारत को भारत की जीवनशैली ही अपनानी चाहिए। क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर की उपासना करते हुए ही जीवन का अविरल प्रवाह संभव है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**हेल्थ टिप्स**

# हाई शुगर लेवल से बचना चाहते हैं तो खाने के बाद की सैर है कारगर उपाय

**लोगों** की जीवनशैली में कई तरह के बदलाव देखने को मिले हैं। ऑफिस में घंटों डेस्क जॉब करना और एक्सरसाइज न करने की कुछ आदतें धीरे-धीरे लोगों के ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित कर सकती है। इसके अलावा, खानपान में तैलीय और शुगर युक्त आहार खाना भी डायबिटीज के खतरे को बढ़ाता है। लेकिन, डॉक्टर आशीष मेहरोत्रा कंसल्टेंट क्रिटिकल केयर अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल बताते हैं कि रोजाना की आदतों में छोटे-छोटे बदलाव आपके ब्लड शुगर के लेवल को सामान्य बनाने में सहायक होते हैं। खाना खाने के बाद टहलना आपके पाचन और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद माना जाता है।

खाना खाने के बाद, शरीर कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज में तोड़ता है, यह ग्लूकोज खून में मिलता है। वहीं, जब आप अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन करते हैं तो इससे भी ब्लड शुगर में बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन, खाने के बाद टहलने जैसी हल्की शारीरिक गतिविधि से मांसपेशियों में ग्लूकोज का सही तरीके से इस्तेमाल करने में मदद मिलती है, जिससे शुगर के अचानक बढ़ने की समस्या कम होती है। बाउल मूवमेंट तेज होता है, जिससे पाचन में भी सुधार होता है और पेट फूलने या भारीपन की समस्या नहीं होती। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, मेटाबॉलिज्म तेज होता है, और हार्ट की सेहत भी अच्छी रहती है। खाना खाने के बाद सिर्फ 10-20 मिनट की छोटी सी सैर करना भी ग्लूकोज को कंट्रोल करने में मददगार हो सकती है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें डायबिटीज, प्रीडायबिटीज, मोटापा या सुस्त जीवनशैली की समस्या है। हैवी एक्सरसाइज के मुकाबले, हल्की-फुल्की सैर करना आसान होता है और यह हर आयु वर्ग के लिए फायदेमंद मानी जाती है। यह मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और अनियंत्रित ब्लड शुगर से जुड़ी लंबे समय की बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए बेहतर होती है। टहलने से मांसपेशियां एक्टिव होती हैं, जो ग्लूकोज को एनर्जी के रूप में इस्तेमाल करती हैं।

**वजन कंट्रोल करने में मददगार:** खाना खाने के बाद टहलने से कैलोरी बर्न होती है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। हेल्दी वेट बनाए रखने से इंसुलिन रेजिस्टेंस और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है।

**सुविचार**

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है।

-अज्ञात

**निशाना**

## हद है यार..!

**ब्रजकिशोर पटेल**

मुझको मिल न सका चुल्लू भर, हद है यार।
तेरा कब्जा है सागर पर, हद है यार।।
जिस पनघट पर सोनचिरैया गाती थी।
टूटे पड़े हैं गिद्धों के पर, हद है यार।।
मदिरा की बोतल तो छलकी छलकी है।
रीती है पानी की गागर, हद है यार।।
जिस सरिता का पानी अमृत जैसा था।
रोगी हो गये वहाँ नहाकर, हद है यार।।
जब से बिगड़ा चाल चलन कुछ नालों का।
बिगड़े हैं गीतों बाले स्वर, हद है यार।।
पानी कब आयेगा जब नेता से पूछा।
चला गया आँखें दिखलाकर, हद है यार।।
पानी के मुद्दे पर ही चुनाव जीता था।
भूल गया संसद में जाकर, हद है यार।।

**न्यू लॉन्च**

# बुगाटी ने पेश किया लग्जरी सुपर टीवी, बटन दबाते ही फोल्ड होकर बन जाएगा फर्नीचर

**लग्जरी** सुपरकार बनाने वाली कंपनी बुगाटी ने ऑस्ट्रिया की डिस्प्ले टेक्नोलॉजी कंपनी C SEED के साथ मिलकर एक अनोखा और लग्जरी टेलीविजन Nv Super TV लॉन्च किया है। यह टीवी बुगाटी की Tourbillon हाइपर कार के डिजाइन पर आधारित है। इस टीवी की सबसे अनोखी बात है कि इस्तेमाल न होने पर यह पूरी तरह से फोल्ड होकर आलीशान फर्नीचर के अंदर सिमट जाएगा। यह सुपर टीवी उन ग्राहकों के लिए है जो लग्जरी कार की तरह ही टीवी भी लग्जरी चाहते हैं।

बुगाटी द्वारा पेश किया गया टीवी किसी भी साधारण टीवी से बहुत अलग है। सिर्फ एक बटन दबाते ही यह पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म होकर घर का एक लग्जरी फर्नीचर पीस बन जाता है। इसमें बुगाटी कार की सिग्नेचर C-शेप और घुमावदार लाइनों का इस्तेमाल देखने को मिलता है। यह टीवी 110-इंच और 137-इंच के आकार में खरीदा जा सकता है। इनकी खासियत है कि एक बटन दबाते ही सिर्फ 45 सेकंड के अंदर यह शानदार स्क्रीन फर्नीचर में से निकलती है और खुलकर एक बड़े सिनेमा हॉल जैसी स्क्रीन में बदल जाती है, जो देखने में किसी जादू जैसा लगता है।

इस टीवी मे माइक्रोएलईडी डिस्प्ले टेक्नोलॉजी इस्तेमाल की गई है जो कि 180-डिग्री घूमने की क्षमता रखती है। इसके अलावा इस टीवी की डिस्प्ले में HDR10+ का सपोर्ट मिल जाता है। गौर करने वाली बात है कि C SEED कंपनी ने इसमें एडैप्टिव गैप कैलिब्रेशन का इस्तेमाल किया है, जिससे स्क्रीन के फोल्ड होने वाले हिस्सों के बीच का गैप बिल्कुल दिखाई नहीं देता। तेज रौशनी वाले कमरों में साफ पिक्चर क्वालिटी दिखाने के लिए इसमें खास कोटिंग भी की गई है। इस टीवी में 180-डिग्री रोटेशन सिस्टमलगा है, जिसकी मदद से कमरे की सिटिंग अरेंजमेट के मुताबिक इसकी डिस्प्ले को किसी भी तरफ मोड़ा जा सकता है।

**कार्बन फाइबर का ढांचा और खास ऑडियो सिस्टम:** इस टीवी की खासियत है कि टीवी को हल्का और मजबूत बनाने के लिए कार्बन फाइबर का इस्तेमाल किया गया है। बुगाटी का यह टीवी मैट सिल्वर फिनिश में आता है, जिसे Tourbillon हाइपरकार के रंगों के हिसाब से कस्टमाइज किया जा सकता है। इस टीवी का ऑडियो सिस्टम भी टीवी की तरह ही बेहद खास है। इसमें Wisdom Audio का कस्टमाइज्ड साउंड सिस्टम मिलता है और जैसे ही टीवी फर्नीचर पीस में से बाहर आता है इसके स्पीकर भी अपने आप बाहर निकल आते हैं और अगर टीवी बंद किया जाए, तो अंदर ही छिप जाते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार बुगाटी इस सुपर टीवी को चंद डीलर्स के जरिए अरबपति ग्राहकों को बेचेगी।

**अजब - गजब**

# पर्यटकों के लिए हैरानी का सबब है उत्तराखंड की यह इंसानी कंकालों से भरी झील

**भारत** में ऐसी कई रहस्यमयी जगहें मौजूद हैं, जिनके बारे में जानकर लोग आज भी हैरान रह जाते हैं। इन्हीं रहस्यमयी स्थानों में से एक है उत्तराखंड की प्रसिद्ध रूपकुंड झील जिसे 'कंकालों की झील' के नाम से भी जाना जाता है। हिमालय की ऊंची बर्फीली चोटियों के बीच स्थित यह झील जितनी खूबसूरत दिखाई देती है, उतनी ही डरावनी और रहस्यों से भरी हुई भी मानी जाती है। इस झील के आसपास बिखरी इंसानी हड्डियां और कंकाल सालों से लोगों के लिए हैरानी का विषय बने हुए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आज तक कोई भी यह पता नहीं लगा पाया कि ये कंकाल आखिर यहां आए कैसे और इन लोगों की मौत किस वजह से हुई थी। समुद्र तल से करीब 16,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह रहस्यमयी झील त्रिशूल पर्वत की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच मौजूद है।

**जब पहली बार दिखे इंसानी कंकाल:** साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर गश्त के दौरान यहां पहुंचा था। उसी समय उसकी नजर झील के आसपास बिखरी इंसानी हड्डियों और कंकालों पर पड़ी। इसके बाद यह जगह पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। कहा जाता है कि यह झील सालभर बर्फ से जमी रहती है, लेकिन मौसम के अनुसार इसका आकार छोटा-बड़ा होता रहता है। गर्मियों के मौसम में जब बर्फ पिघलने लगती है, तब झील में मौजूद इंसानी कंकाल साफ दिखाई देने लगते हैं। साल 2004 में वैज्ञानिकों ने कार्बन डेटिंग तकनीक की मदद से पता लगाया कि यहां मिली कई हड्डियां लगभग 1000 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। वहीं कुछ कंकाल ऐसे भी मिले, जो करीब 100 साल पुराने बताए जाते हैं। कुछ लोगों का यह भी दावा है कि यहां मिले कुछ कंकाल भारत-चीन युद्ध के दौरान मारे गए चीनी सैनिकों के हो सकते हैं, लेकिन अब तक इसका कोई ठोस सबूत नहीं मिला है।

**प्रचलित हैं कई कहानियां:** रूपकुंड झील को लेकर स्थानीय लोगों और इतिहासकारों के बीच कई तरह की कहानियां और लोककथाएं प्रचलित हैं। एक प्रसिद्ध कहानी के अनुसार, कई साल पहले एक राजा अपनी पत्नी और सेवकों के साथ यात्रा पर निकला था। इसी दौरान वो लोग भयंकर बर्फीले तूफान में फंस गए, जिससे सभी की मौत हो गई। माना जाता है कि झील में मिले कुछ कंकाल उन्हीं लोगों के हैं।

**पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र:** आज रूपकुंड झील सिर्फ रहस्य ही नहीं, बल्कि पर्यटन का भी बड़ा केंद्र बन चुकी है। हर साल बड़ी संख्या में ट्रैकर्स और पर्यटक इस रहस्यमयी झील को देखने पहुंचते हैं। हालांकि, यहां का कठिन रास्ता और मौसम इसे और भी रोमांचक बना देता है। यह झील आज भी अपने भीतर कई सवाल छिपाए हुए ह। यहां मौजूद कंकाल और हड्डियां लोगों के मन में डर, जिज्ञासा और रहस्य तीनों पैदा करती है। शायद यही वजह है कि इसे भारत की सबसे रहस्यमयी जगहों में गिना जाता है।

## न्यूज विंडो

### पुल पर हुआ गड्ढा, राहगीरों के लिए बन रहा खतरा

**सिवनी मालवा।** भिलट बाबा के पास चांदनी नदी के ऊपर पुल में एक बड़ा सा गड्ढा हो गया है, जिसे शासन प्रशासन द्वारा नजरअंदाज करना कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित देना साबित होगा! अभी पिछले हफ्ते एक मोटरसाइकिल सवार इस गड्ढे को देख नहीं पाए और दुर्घटना ग्रस्त हो गया। राहगीरों ने गंभीर रूप से घायल एंबुलेंस के मदद से सिवनी मालवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। इस और ना तो लोक निर्माण विभाग का ध्यान है और ना ही प्रशासन का अगर कोई बड़ी दुर्घटना होती है तो इसका जवाबदार कौन होगा यह यक्ष प्रश्न लोगों के जेहन में है।

### देवरी सड़क निर्माण में खनिज राजस्व की बड़ी हानि का आरोप, विभाग अनजान

**पुष्पराजगढ़।** अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवरी में लगभग 2500 मीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य जारी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार निर्माण कार्य में बड़ी मात्रा में मुरुम एवं अन्य खनिज सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन संबंधित खनिज विभाग के पास इस कार्य हेतु खनिज उत्खनन एवं रॉयल्टी जमा किए जाने की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार यदि निर्माण कार्य में उपयोग की गई खनिज सामग्री का विधिवत रॉयल्टी भुगतान नहीं किया गया है, तो शासन को लगभग 6 लाख रुपये के राजस्व नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर सड़क निर्माण में प्रयुक्त खनिज सामग्री कहां से लाई जा रही है और क्या उसके लिए आवश्यक अनुमति एवं रॉयल्टी का भुगतान किया गया है। खनिज विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि विभाग के पास इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है, तो यह निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। वहीं यदि जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है, तो मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक प्रतीत होती है।

### प्रशासन की टीम ने की अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

# भाजपा नेता के सात करोड़ के रसूख पर चला बुलडोजर, नीमच में अवैध निर्माण जमींदोज

**नीमच।दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश के नीमच जिले में भाजपा नेता के अवैध निर्माण पर प्रशासन का डंडा चला है। जिले के मनासा नगर परिषद ने शहर में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 7 करोड़ रुपए मूल्य की सरकारी जमीन पर निर्मित अवैध दुकानों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई नगर परिषद द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश एवं परिषद के पूर्व प्रस्ताव के आधार पर की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के माहेश्वरम कॉलोनी क्षेत्र के समीप स्थित शासकीय नजूल आबादी भूमिए सर्वे क्रमांक 300, रकबा लगभग 4800 वर्गमीटर पर वर्षों पूर्व अवैध रूप से नामांतरण कराकर निर्माण कार्य किया गया था। नगर परिषद के अनुसार वर्ष 2012 में कुकड़ेश्वर निवासी भाजपा नेता उज्जवल पटवा द्वारा उक्त शासकीय भूमि का नियमों के विपरीत नामांतरण कराया गया था। इसके पश्चात वर्ष 2022 में एक दुकान निर्माण की अनुमति प्राप्त की गई, लेकिन अनुमति की शर्तों का उल्लंघन करते हुए वहां एक के स्थान पर आठ दुकानो का निर्माण कर लिया गया। नगर परिषद का कहना है कि यह निर्माण नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की स्वीकृति एवं आवश्यक व्यावसायिक डायवर्सन के बिना किया गया थाए जो नियमों के

विपरीत था। नगर परिषद मनासा ने 10 जनवरी 2026 को पारित अपने प्रस्ताव के माध्यम से उक्त भूमि पर दी गई निर्माण अनुमति तथा विवादित नामांतरण को निरस्त कर दिया था। इसके खिलाफ संबंधित पक्ष द्वारा कलेक्टर कार्यालय नीमच में अपील प्रस्तुत की गई। इस पर अपर कलेक्टर नीमच ने नगर परिषद के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया था। उक्त मामले में नगर परिषद् मनासा द्वारा अपर कलेक्टर के आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने नगर परिषद द्वारा पारित नामांतरण एवं निर्माण अनुमति निरस्तीकरण संबंधी प्रस्ताव को यथावत रखते हुए अपर कलेक्टर नीमच के आदेश को निरस्त कर दिया।

#### जारी रहेगी कार्रवाई

गर परिषद् द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शनिवार को न अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की। शनिवार दोपहर 3.20 बजे नगर परिषद् सीएमओ ने दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। करीब एक घंटे चली कार्रवाई में अवैध निर्माण को पूरी तरह जमीजोद कर दिया गया। परिषद् द्वारा की गई इस कार्रवाई से अवैध अतिक्रमणकर्ताओं में दहशत बैठ गई है। सूत्रों की माने तो ये कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जल्दी ही शहर अतिक्रमण मुक्त दिखाई देगा। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या नियम विरुद्ध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाएंगे। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार मुकेश निगम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय पाटीदार, उपयंत्री रविश कादरी, थाना मनासा से एएसआई तेजसिंह सिसोदिया सहित नगर परिषद का स्टाफ एवं पर्याप्त पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। अधिकारियों की निगरानी में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

### प्रेमी जोड़े का दर्दनाक अंत, जांच में जुटी पुलिस

# घर से भागने के एक दिन बाद सड़क किनारे मिले दोनों के शव

**रतलाम। दोपहर मेट्रो**

जिले के रूपाखेड़ा क्षेत्र में रविवार को एक युवक और युवती के शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2:30 से 3 बजे के बीच राहगीरों ने दोनों को सड़क किनारे अचेत अवस्था में पड़ा देखा और आसपास के लोगों को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर रतलाम ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला, एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल, बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान युवक और युवती को मृत पाया गया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया। मृतकों से कुछ दूरी पर एक बाइक खड़ी मिली। वहीं जहर का डिब्बा, नई रस्सी, युवती का बैग, पानी की बोतल और पॉलीथिन में रखे केले भी बरामद हुए। युवती के बैग में मिले आधार कार्ड के आधार पर दोनों की पहचान की गई। मृतक युवक की पहचान 20 वर्षीय राहजिंग पारगी, पिता धीरजी पारगी, निवासी ग्राम पिपलीपाड़ा, थाना पेटलावद, जिला झाबुआ के रूप में हुई। वहीं युवती की पहचान पास के एक गांव की 19 वर्षीय युवती के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के परिजनों को सूचना दे दी है।

# मां को आपत्तिजनक स्थिति में देखने पर बेटे का खून खौला, दोस्त के साथ मिलकर कर दी बड़े पापा की हत्या

**धार। दोपहर मेट्रो**

बदनावर तहसील के ग्राम दत्तीगारा में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले का कानवन थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने गांव के ही दो युवकों को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मृतक के संबंध मुख्य आरोपी की मां से थे, जिसे बेटे ने आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर इस खूनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

दरअसल, कानवन थाना अंतर्गत दत्तीगारा-बिडवाल रोड पर आरोपियों ने मृतक को घेरकर उन पर जानलेवा

हमला कर दिया। आरोपियों ने लकड़ी, ईंटों और हाथ में पहनने वाले लोहे के नुकीले कड़े से उनको बेरहमी से पीटा। चौंकाने वाली बात यह रही कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने खुद ही मृतक के बेटे को फोन कर घटना की सूचना दी। परिजन गंभीर रूप से घायल को तत्काल कानवन और फिर धार के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। किंतु चोटें इतनी गंभीर थीं कि मृतक ने धार के सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक की मौत के बाद मामला बेहद गंभीर हो गया। एसपी सचिन शर्मा एवं एएसपी पारुल वेलापुरकर के निर्देशन में निरीक्षक रविन्द्र कुमार बारिया व कानवन पुलिस टीम तुरंत सक्रिय हुई। पुलिस ने पीड़ित परिवार से चर्चा कर सुराग जुटाए और आरोपियों की तलाश में पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्र में दबिश दी, जहां दोनों छिपे हुए थे। पुलिस ने घेराबंदी कर मुख्य आरोपी और उसके दोस्त विजय (20 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विजय क्षेत्र के ही एक कॉलेज में प्राइवेट कर्मचारी है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक मृतक रिश्ते में उसके बड़े पापा लगते थे। मृतक के उसकी मां के साथ प्रेम संबंध थे। आरोपी ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था।

# केंद्रीय राज्यमंत्री ठाकुर, कलेक्टर और एसपी ने साइकिल चलाकर दिया फिटनेस का संदेश

**धार। दोपहर मेट्रो**

बदलती जीवनशैली में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से भारतीय खेल प्राधिकरण धार द्वारा इस रविवार को संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम एवं फिटनेस रैली का आयोजन किया गया। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस देशव्यापी अभियान के तहत धार के जैतपुरा साई सेंटर में बच्चों, युवाओं और पुलिस बल ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार) व सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर उपस्थित रहीं। वहीं, विशेष अतिथि के रूप में धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना एवं पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा सम्मिलित हुए। अतिथियों ने हरी झंडी

दिखाकर रैली की शुरुआत की और स्वयं भी साइकिल चलाकर नागरिकों को प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने समस्त धार वासियों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में साइकिल को स्थान दें। उन्होंने कहा साइकिल चलाना न केवल हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य को मजबूत करता है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बेहद प्रभावी कदम है। वहीं कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने साइकिल रैली में सहभागिता करते हुए कहा कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से मोटापा और अन्य गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ईंधन की बचत के साथ-साथ शहर के प्रदूषण को कम करने में भी मददगार साबित होगी।

# ग्राम कजलास के ग्रामीणों ने अवैध शराब छोड़ने आए वाहन को पकड़कर किया पुलिस के हवाले

**सिवनी मालवा।दोपहर मेट्रो**

जिले में अवैध शराब का कारोबार दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है! और आबकारी विभाग इस और मुकदर्शक बना बैठा हुआ है ! जिले में पुलिस कप्तान सई कृष्ण थोटा की सक्रियता और पुलिस की छापामार कार्रवाई में आए दिन शराब के बड़े-बड़े अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया जा रहा है,उसके बावजूद भी अवैध शराब का कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है !

इसी के चलते रविवार के दिन डोलरिया से अवैध शराब की डिलीवरी देने पहुंची बोलेरो वाहन को ग्रामीणों का अवैध शराब के खिलाफ हंगामा कर शराब से भरी बोलेरो गाड़ी को रोककर जमकर हंगामा किया और पुलिस बुलाकर अवैध शराब का वाहन पुलिस के सूपरत किया इस दौरान शराब ठेकेदार के लोग वहान छोड़कर भाग गए। इस पूरे मामले में थाना प्रभारी प्रवीण सिंह चौहान ने बताया कि बोलेरो वाहन में 8 से 10 पेटी अवैध शराब होने की सूचना पर ग्राम के बुजुर्ग महिला और पुरुष एकत्रित हुए और पुलिस बुलाकर वहान पुलिस के

सुपरत किया ग्रामीणों ने बताया कि डोलरिया शराब दुकान से कजलास गांव मे खपाई जा रही थी !

ग्राम रक्षा समिति के सक्रिय सदस्य एवं कजलास ग्राम के ग्रामीणों ने अवैध शराब परिवहन कर रही इस वाहन को पकड़कर पुलिस के हवाले किया वहीं महिलाओं ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार को किसी भी हालत में ग्राम में नहीं चलने दिया जाएगा क्योंकि ग्राम के अधिकतर मजदूर लोग दिनभर अपनी मजदूरी करने के बाद पूरे पैसे शराब पी जाते हैं और आए दिन घर में महिलाओं के साथ मारपीट कर विवाद खड़ा करते हैं। फिलहाल पुलिस द्वारा बोलेरो को थाने लेकर आए थाने पर बोलेरो में रखी शराब के संबंध में कोई भी वेध दस्तावेज नहीं मिले थाने पर बोलेरो में रखी शराब को बाहर निकाल कर गिनती की गई कुल सात पेटियों में अलग-अलग प्रकार की शराब थी पेटियां खुली थी जो कुल मात्रा 42.66 लीटर क्वार्टर विधिवत जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। जब्त शराब की कीमत 21000 हजार एवं जप्त की गई बोलेरो वाहन की कीमत 8 लाख बताई जा रही है।

### अव्यवस्थाओं के बीच शुरू हुआ मदर वार्ड, प्रसूताओं की सुरक्षा

**खंडवा। दोपहर मेट्रो**

स्टोर रूम की दीवार को तोड़कर दरवाजा बनाया गया है, लेकिन दीवार तोड़ने से निकला मलबा वहीं पड़ा हुआ है। अस्पताल आने-जाने वाली प्रसूताओं और उनके परिजनों को इसी रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ की स्थिति में यहां फिसलने और गिरने का खतरा बना हुआ है। बावजूद इसके अब तक मलबा हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है। वार्ड शुरू होने के बाद भी बाथरूम और हैंडवॉश रूम की व्यवस्था पूरी तरह विकसित नहीं हो सकी है। इसे वार्ड के बाहर ही खाली जगह में बनाया जाना है लेकिन अब तक यहां निर्माण को लेकर कॉलेज प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। प्रसूताओं को स्वच्छता संबंधी आवश्यक सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। मरीजों के साथ आने वाले परिजनों का कहना है कि वार्ड में व्यवस्थाएं अभी पूरी तरह तैयार नहीं हैं। अस्पताल प्रशासन को पहले सभी आवश्यक सुविधाएं जुटा लेना थी, उसके बाद ही वार्ड का संचालन शुरू करना था। स्टोर रूम में अंदर की तरफ एसएनसीयू के सामने एक गेट बनाकर वार्ड शुरू कर दिया। एसएनसीयू ओवर लोड होने से मदर वार्ड को स्टोर रूम में शिफ्ट किया हैं, यहां पर्याप्त जगह है। आरइएस विभाग द्वारा अपने मद से मदर वार्ड के बाहर वॉशरूम और और बाथरूम बनाया जाना है। इसको लेकर जल्दी ही काम शुरू हो जाएगा।

**मेट्रो एंकर** भोजशाला में चुपके से प्रतिमा रखे जाने का मामला, परिसर में बढ़ाई गई चौकसी

# एसपी सचिन शर्मा ने कहा- प्रतिमा रखने या ना रखने की कोई गाइडलाइन नहीं, एक पक्ष अगर इसकी शिकायत कर भी रहा है तो उसकी वैधता नहीं है

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले में स्थित भोजशाला परिसर में मां वाग्देवी की अष्टधातु की प्रतिमा विराजित किए जाने की घटना के बाद प्रशासन भी हरकत में आया है। परिसर के अंदर सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी गई है। मामला संज्ञान में आने के तुरंत बाद प्रतिमा को प्रशासन ने हटा दिया है। अभी ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि, परिसर के अंदर इस प्रतिमा को कौन लेकर आया था।

रविवार को गर्भगृह में पूर्व की भांति मां वाग्देवी का प्रतीकात्मक स्वरूप स्थापित था, जिसकी पूजा - अर्चना की गई। वहीं, शनिवार के घटनाक्रम को लेकर कोई भी जवाबदार अधिकारी बयान देने की स्थिति में नहीं है। एएसआई अधिकारी प्रशांत पाटनकर ने अधिकृत बयान देने से साफ इंकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि, शनिवार दोपहर को अज्ञात

व्यक्तियों द्वारा भोजशाला परिसर में प्रवेश करने के साथ गर्भगृह में मां वाग्देवी की अष्टधातु की प्रतिमा को रख दिया था, जिसकी जानकारी लगने के बाद कई लोग दर्शन के लिए पहुंचे थे। मां वाग्देवी की प्राचीन मूर्ति लंदन संग्रहालय में रखी है, जिसे ब्रिटिश शासन में ले जाया गया था। हाल ही में भोजशाला को हाईकोर्ट द्वारा मंदिर घोषित किए जाने के बाद हिंदू समाज द्वारा मूर्ति को लंदन से वापस लाने की मांग की जा रही है। मां वाग्देवी की एक प्रतिमा ग्वालियर के प्रभात स्टूडियो में रखी हुई है। इस प्रतिमा का निर्माण वर्ष 2011 में संघ के पूर्व प्रचारक नवल किशोर शर्मा द्वारा करवाया गया था। किन्हीं कारणों से ये प्रतिमा धार नहीं आ पाई है। कमाल मौला मस्जिद इंतजामिया कमेटी ने भोजशाला - कमाल मौला मस्जिद परिसर में अनधिकृत प्रवेश और प्रतिमा स्थापित करने की घटना पर गहरा रोष जताया है। कमेटी ने रविवार को थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। कमेटी के नायब सदर इरशाद मंसूरी ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए इसे कानून का उल्लंघन और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करार दिया। मंसूरी ने स्पष्ट किया कि यह परिसर एक संरक्षित स्मारक है और यहां धार्मिक स्वरूप में हस्तक्षेप करना दंडनीय अपराध है। कमेटी ने मांग की है कि, संबंधित अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही, भविष्य में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की गई है। वहीं, मामले को लेकर धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा है कि प्रतिमा रखने या ना रखने की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक पक्ष अगर इसकी शिकायत कर भी रहा है तो उसकी वैधता नहीं है।

### वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 50फीसदी काम हुआ पूरा, अगस्त तक रिजर्व में चीता शिफ्ट होने की उम्मीद

# जिंदगी भर भाइयों के साथ रहते हैं चीते, रफ्तार बनी सबसे बड़ी ताकत

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों का तीसरा घर बनने जा रहा है। इसके लिए टाइगर रिजर्व के अंदर करीब 600 वर्ग किलोमीटर की जगह चिन्हित की गई है। और तैयारी भी जोर-जोर से चल रही है। इसके अलावा जो वनरक्षक है। उनको भी इसको लेकर कूनो में प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है। जंगल के अंदर जो गांव अभी विस्थापन के लिए बच्चे हैं हजारों लोग रह रहे हैं। उनके लिए भी चीता चौपाल लगाई जा रही है इनको लेकर जो भ्रांतियां हैं लोगों के मन में नेगेटिव बातें बैठी हुई है उनको दूर किया जा रहा है इनके संरक्षण का उद्देश्य और महत्व बताया जा रहा है।

चीतों की खसियत के बारे में बात करते हुए नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह बताते हैं कि चीता घास के मैदान और खुले क्षेत्र में रहना पसंद करते हैं। यह अपनी अद्भुत रफ्तार और रफ्तार के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। इनके जो शिकार करने का जो तरीका है। इनका जो शिकार ब्लैक बग चीतल चिंकारा नीलगाय के छोटे बच्चे यानी कि कम वजन वाले जो वन्य जीव होते हैं। उनको पहले चेस करते हैं चेस करने के दौरान ही उनका शिकार करते हैं और उनकी कोशिश होती है। वह एक बार के हमले में ही मर जाए, जिससे ना तो छुपाने का डर हो और ना ही रखने का है. यह बहुत ही कम समय में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी दौड़ सकते हैं। इन्हें धरती पर रहने वाले सबसे तेज दौड़ने वाले वन्यजीवों में गिना जाता है. चीतो की एक और प्रवृत्ति होती है कि वह टाइगर और तेंदुआ की तरह अकेले नहीं होते हैं। ग्रुप में रहना पसंद करते हैं उनके ग्रुप में जो दो-तीन भाई-बहन होते हैं। वह जिंदगी भर साथ रहते हैं साथ घूमते हैं और शिकार करते हैं। इसलिए इनको सामाजिक होना भी कहा जाता है।

### चीता का जीवन चक्र 10 - 12 साल का होता

टाइगर की तरह इनके नाखून अंदर बाहर नहीं होते हैं। जिनकी वजह से उनकी पकड़ कमजोर होती है। किसी के चलते वह पेड़ों पर नहीं जा पाए और यह छोटे जीवों का शिकार करते हैं। चीता का जीवन चक्र 10- 12 साल का होता है। इनके शरीर पर ब्लैक स्पॉट होते हैं। जबकि चेहरे पर नाक के नीचे से धारियां होती हैं। हर चीता पर ब्लैक स्पॉट और धारियां अलग-अलग होती हैं जो इनकी पहचान का कारण बनती है। टाइगर और तेंदुआ की तरह दहाड़ने वाला आर्गन गले में नहीं होता है। यह बिल्ली की तरह आवाज निकालता है टाइगर रिजर्व में बाड़ों का काम 50 फीसदी हो चुका है जुलाई के अंत तक बाड़े तैयार होने की उम्मीद है। अगस्त अंत तक रिजर्व में चीता शिफ्ट होने का अनुमान है। भारत सरकार की मॉनिटरिंग कमेटी है जिसे चीता शिफ्टिंग को लेकर अंतिम निर्णय होना है। मुहली रेंज में आधुनिक बोमा बाड़े तैयार किए जा रहे हैं न बांडों का क्षेत्रफल लगभग 439 एकड़ होगा। सुरक्षा की दृष्टि से 14 फीट ऊंचे सॉफ्ट रिलीज बाड़े और 10 फीट ऊंचे क्वारेंटीन बोमा बनाए जा रहे हैं। बाड़ों के ऊपरी हिस्से में 6 लेयर के इलेक्ट्रिक पल्स तार लगाए जाएंगे जो शिकारी जानवरों को दूर रखेंगे बाड़ों का 50 फीसदी काम पूरा हो चुका है।

## न्यूज विंडो

### वाहन चालक-यांत्रिक कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर की चर्चा

**नरसिंहपुर।** मध्यप्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिक कर्मचारी संघ, नरसिंहपुर द्वारा वाहन चालकों एवं कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक लोक निर्माण विभाग के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर के वाहन चालक, हेल्पर एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारियों की लंबित समस्याओं, कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने वाहन चालकों के हितों की रक्षा तथा उनकी मांगों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र मालवीय, संभागीय अध्यक्ष मनोज पाण्डे, संभागीय सचिव अरविंद कराड़े एवं विशेष सलाहकार विनोद सनोडिया ने कर्मचारियों को संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी तथा कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वाहन चालक एवं यांत्रिक कर्मचारी शासन-प्रशासन की व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना आवश्यक है। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए आगामी रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने कर्मचारी हितों के लिए एकजुट रहकर संघर्ष करने तथा संगठन की गतिविधियों को पहुंचाने का संकल्प लिया।

### विश्व पर्यावरण दिवस पर चला स्वच्छता अभियान, निकाला कचरा

**उमरिया।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में विशाल स्वच्छता अभियान चलाकर लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र से 1000 किलोग्राम कचरा एकत्रित किए जाने का दावा किया गया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में वन विभाग, रिसॉर्ट संचालकों, जिप्सी एवं गाइड यूनियन सहित स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। अभियान के बाद पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त बांधवगढ़ का संकल्प तो दोहराया गया, लेकिन एक बड़ा सवाल भी खड़ा हो गया है कि आखिर बांधवगढ़ जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में इतना भारी मात्रा में कचरा आया कहां से। यदि 15 किलोमीटर के क्षेत्र से एक ही दिन में 1000 किलो कचरा निकला है, तो यह पर्यटन क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन प्रणाली और निगरानी तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। क्या यह कचरा पर्यटकों द्वारा फैलाया गया, रिसॉर्ट और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकला या फिर लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण जमा होता रहा है।

### चाकूबाजी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, कोर्ट ने भेजा जेल

**तेंदूखेड़ा।** शुक्रवार को पुलिस थाना के समीप जामुनखेड़ा मार्ग पर हुए विवाद के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद दीपक प्रजापति ने शानू शेख पर चाकू से हमला कर दिया था। आरोपी द्वारा किए गए हमले में सानू शेख के पेट में गंभीर चोट आई थी। घटना के बाद घायल को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जबलपुर रेफर कर दिया गया। जबलपुर के एक निजी अस्पताल में सानू शेख का ऑपरेशन किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत में सुधार है, हालांकि उसे अभी भी विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी दीपक प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। रविवार सुबह पुलिस ने आरोपी को तेंदूखेड़ा न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है

### शान्या ऑटोमोबाइल्स में लगी आग, मची अफरा-तफरी

# तेंदूखेड़ा में ऑटोमोबाइल्स दुकान में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

नगर में रविवार शाम उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब मुख्य जबलपुर मार्ग स्थित शान्या ऑटोमोबाइल्स की दुकान एवं गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम लगभग 5:15 बजे लोगों ने दुकान से धुआं निकलता देखा। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

घटना की जानकारी नगरवासियों को मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। बस स्टैंड से लगभग 30 मीटर दूर स्थित दुकान के सामने मुख्य मार्ग पर देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। अधिकांश लोग अपने मोबाइल फोन से आग की वीडियो रिकॉर्डिंग करने लगे, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और मुख्य जबलपुर मार्ग पर लगभग 15 मिनट तक जाम की स्थिति बनी रही।

आग की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड एवं पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल एवं दमकल वाहन मौके पर पहुंचे पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर सड़क पर जमा भीड़ को हटाया, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का कार्य शुरू किया। करीब 45 मिनट के प्रयास के बाद शाम लगभग 6 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस एवं संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं।प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस अग्निकांड में लगभग

35 से 40 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि वास्तविक क्षति का आंकलन जांच और मूल्यांकन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। समय रहते फायर ब्रिगेड एवं पुलिस के पहुंचने से आग को आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। नगरवासियों ने राहत एवं बचाव कार्य में जुटे पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों की सराहना की है। घटना के संबंध में शान्या ऑटोमोबाइल्स के संचालक मनीष साहू ने बताया कि आग किस कारण से लगी, इसकी जानकारी अभी नहीं है। उन्होंने बताया कि दुकान एवं गोदाम में बड़ी मात्रा में टायर, ट्यूब, ऑटोमोबाइल्स पार्ट्स तथा विभिन्न वाहनों के फाइबर बॉडी पार्ट्स रखे हुए थे, जो आग की चपेट में आ गए।

### पुलिस को शिकायती आवेदन

## मैनेजर रूपेश जैन लापता तलाश में जुटी पुलिस

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

क्षेत्र के ग्राम झलौन स्थित अर्हम पेट्रोलियम पेट्रोल पंप के मैनेजर रूपेश जैन के अचानक लापता होने और पंप के कैश एवं बिक्री के हिसाब में लगभग 7.25 लाख रुपये का अंतर सामने आने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में पुलिस द्वारा गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार अर्हम पेट्रोलियम के संचालक शिवांजय जैन ने थाना तेंदूखेड़ा में दिए गए आवेदन में बताया है कि रूपेश जैन लंबे समय से पंप में मैनेजर के रूप में कार्यरत था। 5 जून 2026 को पंप के वित्तीय रिकॉर्ड और उपलब्ध नकदी का मिलान करने पर लगभग 7.25 लाख रुपये की राशि का अंतर पाया गया। इस संबंध में रूपेश जैन से फोन पर संपर्क करने पर उसने बताया कि वह जबलपुर में है तथा उक्त राशि उसके पास सुरक्षित है, जिसे वह अगले दिन दमोह पहुंचा देगा।शिकायतकर्ता के अनुसार इसके बाद रूपेश से कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उसका फोन रिसीव नहीं हुआ। देर रात व्हाट्सएप संदेश भेजने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। अगले दिन सुबह फोन लगाने पर उसके परिवार के एक सदस्य ने बताया कि रूपेश पिछली रात से घर से गायब है और अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गया है। वहीं दूसरी ओर, झलौन निवासी 26 वर्षीय रूपेश जैन के परिजनों ने भी तेंदूखेड़ा थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट शनिवार को दर्ज कराई है। परिजनों के अनुसार रूपेश शुक्रवार रात अपने घर के समीप पुराने बाजार क्षेत्र में कुछ मित्रों के साथ बैठा हुआ था। बताया जाता है कि वह रात लगभग 12 बजे तक वहां मौजूद था, जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया। परिवार एवं परिचितों ने आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।सूत्रों के अनुसार मामले से संबंधित एक पत्र भी मिलने की जानकारी मिल रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। नगर निरीक्षक रविंद्र बागरी ने बताया कि युवक की गुमशुदगी दर्ज की है।

### श्रीमद्भागवत कथा का समापन: पूर्णाहूति और भंडारे के साथ अनुष्ठान संपन्न

# सुदामा मित्रता, पारिजात वृक्ष और भगवान दत्तात्रेय के 24 गुरुओं का किया वर्णन

**नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो**

संस्कारधानी नगर में समस्त मातृशक्ति संगठन, नरसिंहपुर के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आज अत्यंत गरिमामयी और भावपूर्ण माहौल में समापन हो गया। स्थानीय तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) में पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में आयोजित इस ऐतिहासिक आध्यात्मिक समागम के अंतिम दिन श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि समूचा परिसर छोटा पड़ गया। सात दिनों तक भीषण गर्मी के बावजूद नगरवासियों, विशेषकर मातृशक्तियों द्वारा दिखाई गई अटूट श्रद्धा और एकजुटता की चारों ओर सराहना हो रही है। कथा के सातवें और अंतिम दिन सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के मिलन का प्रसंग सुनाया, पंडाल में उपस्थित हर आँख नम हो उठी। महाराज जी ने मर्मस्पर्शी वाणी में वर्णन किया कि जब दरिद्रता से व्याकुल सुदामा द्वारिकाधीश के महल पहुँचे, तो प्रभु ने ऊंच-नीच और राजा-रंक का भेद भुलाकर नंगे पैर दौड़ते हुए अपने सखा को गले लगाया और अपने आंसुओं से उनके पैर धोए। महाराज जी ने संदेश दिया कि संसार में मित्रता केवल स्वार्थ की नहीं, बल्कि सुदामा और कृष्ण की तरह समर्पण और निष्काम प्रेम की होनी चाहिए।

महाराज जी ने देवलोक से धरती पर पारिजात वृक्ष लाने के दिव्य प्रसंग का वाचन करते हुए इसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। अंतिम सत्र में उन्होंने नवयोगेश्वर संवाद और भगवान दत्तात्रेय के 24 गुरुओं की कथा विस्तार से सुनाई। उन्होंने बताया कि दत्तात्रेय जी ने प्रकृति के कण-कण–जैसे पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, सूर्य और यहां तक कि पशु-पक्षियों से भी कुछ न कुछ सीख लेकर उन्हें अपना गुरु बनाया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि यदि हमारे भीतर सीखने की जिज्ञासा हो, तो संपूर्ण संसार ही हमारा शिक्षक है। कथा के अंतिम सोपान पर महाराज जी ने यदुवंश के उपसंहार और भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य स्वधाम गमन (परम धाम प्रस्थान) की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि ठाकुर जी ने अपनी लीलाओं को समेटकर संसार को यह संदेश दिया कि जो भी इस धरा पर आया है, उसका गमन निश्चित है; केवल उनके द्वारा स्थापित धर्म और संस्कार ही शाश्वत रहते हैं। इसके उपरांत राजा परीक्षित को तक्षक सर्प के डसने और भागवत श्रवण के पुण्य से उनके परम मोक्ष की प्राप्ति का प्रसंग सुनाकर कथा को विश्राम दिया गया।

## शहडोल की बंगवार कोयला खदान में बड़ा हादसा, दो मजदूरों की मौत

**शहडोल। दोपहर मेट्रो**

जिले के सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल की बंगवार भूमिगत कोयला खदान में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। स्टॉपिंग वॉल निर्माण कार्य के दौरान खदान की छत का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिससे दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य श्रमिक घायल हो गए। हादसे के बाद खदान में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 3:30 बजे खदान के भीतर पिलर नंबर 45 के पास मजदूर स्टॉपिंग वॉल का निर्माण कर रहे थे। इसी दौरान कमजोर चट्टानी हिस्सा और मिट्टी का भाग धंस गया, जिससे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही खदान प्रबंधन, सुरक्षा अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

हादसे में बल्लू बैगा (43) और गोलू बैगा (30) की मौत हो गई। वहीं घायल श्रमिकों में प्रेमलाल विश्वकर्मा, राजकुमार यादव, अमित यादव और अंजनी बैगा शामिल हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय खदान के भीतर तेज वायु दबाव महसूस किया गया और अचानक जोरदार आवाज के साथ छत का हिस्सा ढह गया। इस घटना ने खदानों में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रमिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने नियमित सुरक्षा निरीक्षण तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। प्रबंधन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए खदान सुरक्षा महानिदेशालय की टीम भी निरीक्षण करेगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

## मेट्रो एंकर

### सारसबगली चौकी में आयोजित हुई चीता चौपाल

# ग्रामीणों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दी जानकारी

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सर्रा रेंज अंतर्गत सारसबगली चौकी में चीता चौपाल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को वन, वन्यजीवों तथा विशेष रूप से चीतों के संरक्षण एवं उनके व्यवहार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को वन्य प्राणियों, पशु-पक्षियों एवं पेड़-पौधों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रोजेक्टर एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जंगल में पाए जाने वाले विभिन्न वन्यजीवों जैसे चीता, बाघ, भालू, रीछ, सियार आदि की पहचान कराई गई। साथ ही क्षेत्र में पाई जाने वाली महत्वपूर्ण वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों जैसे सागौन, बीजा, महुआ, हर्रा, बहेरा, आंवला सहित अन्य जड़ी-बूटियों के बारे में भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

चीता चौपाल का मुख्य उद्देश्य वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों की बसाहट को सफल बनाना तथा आसपास के ग्रामीणों में चीतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर ग्रामीणों को चीतों की पहचान, उनकी जीवन शैली, व्यवहार तथा मानव-वन्यजीव द्वंद से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया गया कि चीता सामान्य परिस्थितियों में मनुष्यों पर हमला नहीं करता, जब तक कि उसे उकसाया न जाए। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि यदि किसी क्षेत्र में चीता दिखाई दे तो घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि तुरंत वन विभाग को सूचना दें तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

कार्यक्रम में वनरक्षक पीयूष सिहारे एवं रघुवीर काछी द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने ग्रामीणों को वन एवं वन्यजीव संरक्षण में जनसहभागिता की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक आवास के संरक्षण में स्थानीय समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर परिक्षेत्र सहायक सारसबगली लाखन अहिरवार, वनरक्षक रितेश कुमार पटेल, रूप सिंह राय, सुरक्षा श्रमिक मोहन कुर्मी, हेमंत पटेल, सुदामा यादव, श्रीराम एवं पुनीत ठाकुर सहित वन विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा वन्यजीव संरक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त की।

## फीफा विश्व कप में गोल दागने वाले पांच सबसे युवा फुटबॉलर

# पेले से लेकर निकोले कोवाक्स- रोसास तक का नाम शामिल

नई दिल्ली , एजेंसी

**फीफा विश्व कप का मंच दिग्गजों की कहानियों के साथ उन युवा सितारों की चमक से भी जगमगाया है, जिन्होंने कम उम्र में ही दुनिया को अपना हुनर दिखाया। आइए, उन पांच खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने फीफा विश्व कप में सबसे कम उम्र में गोल दागकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराया है।**

**पेले:** ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी फीफा विश्व कप में गोल दागने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। पेले ने साल 1958 में वेल्स के खिलाफ यह कारनामा किया था। उस समय पेले की उम्र 17 साल 239 दिन थी। ब्राजील ने यह मुकाबला 1-0 से अपने नाम किया था। पेले ने विश्व कप में अपना पहला गोल किया था।

**मैनुअल रोसास:** महज 18 साल 93 दिन की उम्र में मैक्सिको की तरफ से खेलते हुए रोसास ने फीफा विश्व कप 1930 में यह कारनामा किया था। रोसास ने विश्व कप में खाता खोला था, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाफ मैक्सिको ने यह मैच 3-6 से गंवा दिया।

**गावी:** इस लिस्ट में स्पेनिश फुटबॉलर गावी तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने फीफा विश्व कप 2022 में 18 साल 110 दिन की उम्र में गोल किया था। अपना पहला फीफा विश्व कप गोल करने के लिए गावी ने कुल 74 मिनट का समय लिया। स्पेन ने कोस्टा रिका के खिलाफ यह मैच 7-0 से अपने नाम किया था।

**माइकल ओवेन:** इंग्लैंड के इस फुटबॉलर ने फीफा विश्व कप 1998 में रोमानिया के खिलाफ अपना पहला गोल किया था। उस समय ओवेन की उम्र 18 साल 190 दिन थी। इस खिलाड़ी ने वर्ल्ड कप के अपने 14वें मिनट में गोल किया था। हालांकि, इंग्लैंड यह मैच 1-2 से गंवा बैठी थी।

**निकोले कोवाक्स:** साल 1930 में 18 साल 197 दिन की उम्र में रोमानिया की तरफ से खेलते हुए पेरू के खिलाफ कोवाक्स ने यह गोल किया था। फीफा विश्व कप में पहला गोल दागने के लिए कोवास्क ने कुल 89 मिनट का समय निकाला। रोमानिया ने यह मुकाबला 3-1 से अपने नाम किया था।

### मैत्री मैच में नहीं खेल सके चोटिल मेसी

# अर्जेंटीना टीम की मुश्किलें बढ़ी

**नई दिल्ली।** विश्व कप फुटबॉल शुरू होने में जब केवल तीन दिन का समय बचा है तब स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी की फिटनेस अर्जेंटीना के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शनिवार रात होंडुरास के खिलाफ अर्जेंटीना के मैत्री मैच में नहीं खेले जिससे यह सुनिश्चित नहीं है कि वह विश्व कप में अपनी टीम के पहले मैच तक पूरी तरह फिट हो पाएंगे या नहीं।

तीन सप्ताह में 39 वर्ष के होने वाले मेसी ने मैच से पहले अपने साथियों के साथ अभ्यास किया, लेकिन अर्जेंटीना की 2-0 से जीत के दौरान वह बेंच पर ही बैठे रहे। टीम ने कहा है कि मेसी कब तक फिट हो पाएंगे यह उनकी शारीरिक और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा। अर्जेंटीना विश्व कप से पहले अपना अंतिम अभ्यास मैच मंगलवार को ऑबर्न, अलबामा में आइसलैंड के खिलाफ खेलेगा।

### अल्जीरिया के खिलाफ शुरू करेंगे अभियान

अर्जेंटीना 16 जून को एरोहेड स्टेडियम में अल्जीरिया के खिलाफ विश्व कप खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शुरुआत करेगा। माना जा रहा है कि मेसी विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। उनके नाम पर विश्व कप में सर्वाधिक 26 मैच खेलने का रिकॉर्ड है। उन्हें विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने के जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोस के 16 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल चार गोल की

### आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने के बाद भी टी20 टीम में नहीं मिली जगह

# वर्ल्ड कप और WTC पर फोकस करो गिल के लिए BCCI ने खींची लकीर

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बल्ले से धमाल मचाने वाले शुभमन गिल को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में जगह नहीं मिली। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हालिया आईपीएल सीजन में 732 रन बनाकर खुद को टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाजों में शामिल किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि उनकी टी20 टीम में वापसी तय है, लेकिन चयनकर्ताओं ने अलग रास्ता चुना।

अब इस फैसले के पीछे की बड़ी वजह सामने आई है।रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और चयन समिति ने शुभमन गिल के लिए एक लंबी रणनीति तैयार की है, जिसके तहत उन्हें फिलहाल टी20 क्रिकेट से दूर रखकर टेस्ट और वनडे क्रिकेट पर पूरा फोकस करने को कहा गया है।

शुभमन गिल इस समय भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं। अगले डेढ़ साल में भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत नौ अहम मैच

खेलने हैं, जबकि वनडे विश्व कप 2027 से पहले टीम करीब 35 ओडीआई मुकाबले भी खेलेगी। ऐसे में चयनकर्ता नहीं चाहते कि गिल तीनों फॉर्मेट लगातार खेलते हुए शारीरिक और मानसिक थकान का शिकार हों। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि गिल का फिट और फ्रेश रहना भारत की भविष्य की योजनाओं के लिए बेहद जरूरी है। सूत्र ने कहा, चयनकर्ता नहीं चाहते कि शुभमन गिल पर जरूरत से ज्यादा क्रिकेट का बोझ पड़े। उन्हें टेस्ट और वनडे टीम की कप्तानी करनी है। अगले दो वर्षों में भारत के सामने दो बड़े लक्ष्य हैं- डब्ल्यूटीसी फाइनल और 2027 का वनडे विश्व कप। इसलिए गिल की फिटनेस और फॉर्म को प्राथमिकता दी जा रही है।% भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 चक्र बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने बचे हुए नौ टेस्ट मैचों में से कम से कम

### बीसीसीआई की नजर वनडे विश्वकप पर

बीसीसीआई की नजर सिर्फ डब्ल्यूटीसी पर नहीं है। 2027 वनडे विश्व कप को भी भारतीय क्रिकेट का सबसे बड़ा मिशन माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वनडे क्रिकेट में शुभमन गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्हें भारत के भविष्य का चेहरा माना जाता है। यही वजह है कि बोर्ड उन्हें लंबे समय तक फिट रखने के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट की रणनीति पर काम कर रहा है। चयनकर्ताओं का मानना है कि गिल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत को आईसीसी ट्रॉफियां दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है। टी20 इंटरनेशनल टीम से बाहर रहने के बावजूद शुभमन गिल का टी20 क्रिकेट में रिकॉर्ड शानदार रहा है। आईपीएल 2025 में उन्होंने 650 रन बनाए थे, जबकि आईपीएल में 732 रन ठोककर अपनी क्लास साबित की। हालांकि, भारतीय टी20 टीम के लिए 2025 में उनका प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा था। उन्होंने 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सिर्फ 291 रन बनाए थे, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

### भारतीय टीम ने तोड़ दिया पिछला मीट रिकॉर्ड

# भारतीय महिला टीम को 4×100 मीटर रिले रेस में स्वर्ण, बाधा दौड़ में तेजस को मिला रजत

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया।

भारत की महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने न्यू ताइपे सिटी एथलेटिक्स ओपन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर श्रेणी की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। श्राबनी नंदा, एस.एस. स्नेहा, सुदेशना शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने ताइवान के बानकियाओ स्टेडियम में शानदार 44.07 सेकेंड का समय निकालकर पोडियम पर टॉप किया। इस दौरान, भारतीय टीम ने पिछला मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया और वियतनाम पर 0.31 सेकेंड के आसान अंतर से जीत हासिल की। वियतनाम दूसरे स्थान पर रहा। रिले में जीत के अलावा, भारत को फील्ड इवेंट्स में भी सफलता मिली जिसमें शैली सिंह ने महिलाओं की लंबी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। शैली ने 6.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया और अपने प्रतियोगी से आगे रहीं। उन्होंने मीट में भारत को मेडल टैली में एक और गोल्ड जोड़ा।

### तेजस राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नहीं कर पाए क्वालिफाई

भारत के तेजस शिरसे ने भी ट्रैक पर प्रभावित किया और मेन्स 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता। कड़े मुकाबले के बीच तेजस ने बेहतरीन दौड़ लगाई और दूसरे स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने बाधा दौड़ स्पर्धा में अपनी लगातार प्रगति को भी जारी रखा। तेजस ने पहले नेशनल चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता था। उनका गोल्ड जीतने का टाइम 13.50 सेकेंड था। उन्होंने 13.61 सेकेंड के अपने ही मीट रिकॉर्ड में सुधार किया, लेकिन वह कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए, क्योंकि इसके लिए निर्धारित क्वालिफिकेशन समय 13.39 सेकेंड था। इससे पहले, भारतीय महिला रिले टीम ने भी अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां भारत ने रिकॉर्ड 19 मेडल जीते। विमेंस 4×100 मीटर रिले ने भी 45.05 सेकेंड के टाइम के साथ सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। टीम के सदस्य काजल हीराभाई वाजा, भावना जी, आरती और निपम रहे।

**मनोरंजन** बॉलीवुड का कोना

### कपूर खानदान के सबसे बड़े कंजूस हैं रणधीर कपूर

# करिश्मा कपूर ने सुनाया लंदन शॉपिंग का मजेदार किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर अपने पिता रणधीर कपूर के साथ कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो में पहुंचीं। बातचीत के दौरान उन्होंने परिवार को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए। दरअसल, शो के दौरान होस्ट कपिल शर्मा ने करिश्मा कपूर से सवाल किया कि कपूर परिवार में सबसे बड़ा कंजूस कौन है। इस पर उन्होंने सीधे रणधीर कपूर की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह ही परिवार के कंजूस कपूर हैं।

करिश्मा ने अपने पिता के बारे में बताते हुए कहा,वह पैसे खर्च करने के मामले में बेहद सावधान रहते हैं। वह हर खर्च को सोच-समझकर करते हैं और बिना जरूरत किसी चीज पर पैसा

खर्च करना पसंद नहीं करते। बेटी की बात सुनने के बाद रणधीर कपूर ने भी अपनी सफाई पेश की। उन्होंने कहा, मेरी सोच केवल वैल्यू फॉर मनी की है। मेरा मानना है कि किसी भी चीज पर तभी पैसा खर्च करना चाहिए जब वह जरूरी हो।

इसके बाद करिश्मा ने अपने पिता की शॉपिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, जब हम सभी छुट्टियां मनाने के लिए लंदन जाते थे, तो सभी लोग शॉपिंग को लेकर काफी उत्साहित रहते थे। हर कोई नए कपड़े, जूते और दूसरे सामान खरीदने में बिजी रहता था। लेकिन पापा का अंदाज बाकी सभी से बिल्कुल अलग होता था।

### पापा को कई बार दोबारा भेजती थी शॉपिंग के लिए

करिश्मा ने आगे कहा,जब मैं पापा से पूछती थी कि आपने शॉपिंग में क्या खरीदा है, तो वह बड़े गर्व से बताते थे कि मैंने दो जोड़ी मोजे खरीदे हैं। कई बार मैं पापा को दोबारा शॉपिंग करने के लिए भेजती थी, ताकि वह अपने लिए कुछ और सामान खरीद सकें। लेकिन जब वह वापस आते थे तो उनके पास सिर्फ दो जोड़ी मोजे और दो रूमाल होते थे। इस पर सफाई देते हुए रणधीर कपूर ने कहा, एक आदमी को आखिर और क्या चाहिए? कुछ जोड़ी मोजे, कुछ रूमाल, कुछ टाई, दो-चार शर्ट और एक-दो पैंट काफी हैं।

# नियति फातनानी का खुलासा, खतरों के खिलाड़ी के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

अभिनेत्री नियति फातनानी ने कहा है कि रियलिटी शो के दौर में कई बार मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से अलग करके देखा और परखा जाता है।

बातचीत में फातनानी ने %खतरों के खिलाड़ी% के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि एक प्रोमो जारी होने के बाद उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पूरा एपिसोड प्रसारित होने के बाद लोगों को वास्तविक स्थिति समझ में आई और उन्होंने उनका समर्थन किया।फातनानी से पूछा गया, ÷रियलिटी शो के बाद अक्सर एडिट किए गए क्लिप वायरल हो जाते हैं और विवाद खड़े कर देते हैं। क्या आपको लगता है कि कभी-कभी मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से हटकर समझा जाता है?÷

इस पर उन्होंने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा, ÷खतरों के खिलाड़ी के दौरान जब एक प्रोमो रिलीज हुआ था, तब मुझे प्रशंसकों की ओर से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, जो लोग मुझे जानते थे, उन्हें पूरा भरोसा था कि मैं कभी कुछ गलत नहीं करूंगी। एपिसोड प्रसारित होने के बाद सभी को सच्चाई पता चल गई और उन्होंने मेरा समर्थन किया। दरअसल, उस व्यक्ति को शो से बाहर कर दिया गया था।÷ अभिनेत्री ने कहा, ÷प्रशंसक

अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति बेहद भावुक होते हैं और यह एक सेलिब्रिटी होने का स्वाभाविक हिस्सा है।÷सोशल मीडिया के दौर में प्रतिभा और दृश्यता में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, इस सवाल पर फातनानी ने कहा कि दोनों पूरी तरह अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने कहा, ÷अगर कोई कलाकार प्रतिभाशाली है और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो निर्देशक और निर्माता उसे भूमिका के लिए चुनेंगे। दूसरी ओर, व्यावसायिक नजरिए से यदि किसी परियोजना को दृश्यता से फायदा मिलता है।

## मेट्रो बाजार

# असंगठित क्षेत्र के उद्योगों में आधे अब भी इंटरनेट से दूर, हिमाचल सबसे आगे

असंगठित क्षेत्र के उद्यम में आधे अभी भी इंटरनेट के उपयोग से दूर हैं। ऐसे असंगठित गैर-कृषि उद्यम में इंटरनेट का इस्तेमाल में हिमाचल प्रदेश सबसे आगे है। इसके बाद हरियाणा व असम का नंबर है। वहीं इस तरह के उद्यमों में सर्वाधिक मजदूरी देने में उत्तराखंड अव्वल है। एसबीआई रिसर्च के एएसयूएसई 2025 यूनिट-लेवल विश्लेषण में यह तथ्य सामने आए हैं। उद्यम प्रदर्शन सुधारने में डिजिटल तकनीकों की भूमिका को दर्शाता है। इसमें कहा गया है कि 2025 में सभी राज्यों में इंटरनेट उपयोग बढ़ा है। 2022-23 में 21त्न , 2023-24 में 27 प्रतिशत उद्यम इंटरनेट का उपयोग होता था। अब यह आंकड़ा बढ़कर 39त्न हो गया है। हिमाचल प्रदेश के 68.2त्न उद्यमों में इंटरनेट के जरिए काम होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंटरनेट व डिजिटल तक तकनीक अपनाने से श्रम उत्पादकता में 76त्न की वृद्धि होती है। असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन, आजीविका समर्थन व समग्र आर्थिक गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उत्पादकता लाभों के अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी अपनाने से फर्म पंजीकरण की संभावना औसतन 84त्न अंक तक बढ़ जाती है।

**इस रोडमैप को लागू करने की सिफारिश-** डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए स्थानीय भाषाओं में डिजिटल भुगतान, बहीखाता, ऑनलाइन मार्केटिंग और पंजीकरण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कराया जाए। डिजिटल कौशल के लिए उद्यमों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाए व नव-औपचारिकीकृत सूक्ष्म फर्मों के लिए अनुपालन लागत को कम कराया जाए।

# झारखंड से शुरु हुआ आमों का निर्यात पहली खेप यूनाइटेड किंगडम भेजी गई

नई दिल्ली । केंद्र सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास कर रही है। इसी क्रम झारखंड राज्य के आमों का निर्यात शुरू किया गया है और पहली खेप को यूनाइटेड किंगडम भेजा गया है। यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई। इसे स्थानीय सामान के विदेशों में जाने का शानदार उदाहरण बताते हुए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि झारखंड के सिमडेगा की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाले हैं। एपीडा के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिल रही है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने राज्य से यूनाइटेड किंगडम के लिए ताजे आमों की पहली वाणिज्यिक खेप को हरी झंडी दिखाकर 4 जून 2026 को कोलकाता से रवाना किया। मंत्रालय ने बताया कि इस खेप

में झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो ब्लॉक में स्थित महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त 1.5 मीट्रिक टन ताजे आम्रपाली आम है। इस खेप का निर्यात कोलकाता स्थित मैसर्स जेजीबी एग्रोफ्रेश प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लंदन, यूनाइटेड किंगडम को किया जा रहा है। यह निर्यात, सिमडेगा जिले के किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और प्रगतिशील किसानों के लिए एपीडा द्वारा 5 मई, 2026 को आयोजित निर्यात-उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम के बाद किया जा रहा है।

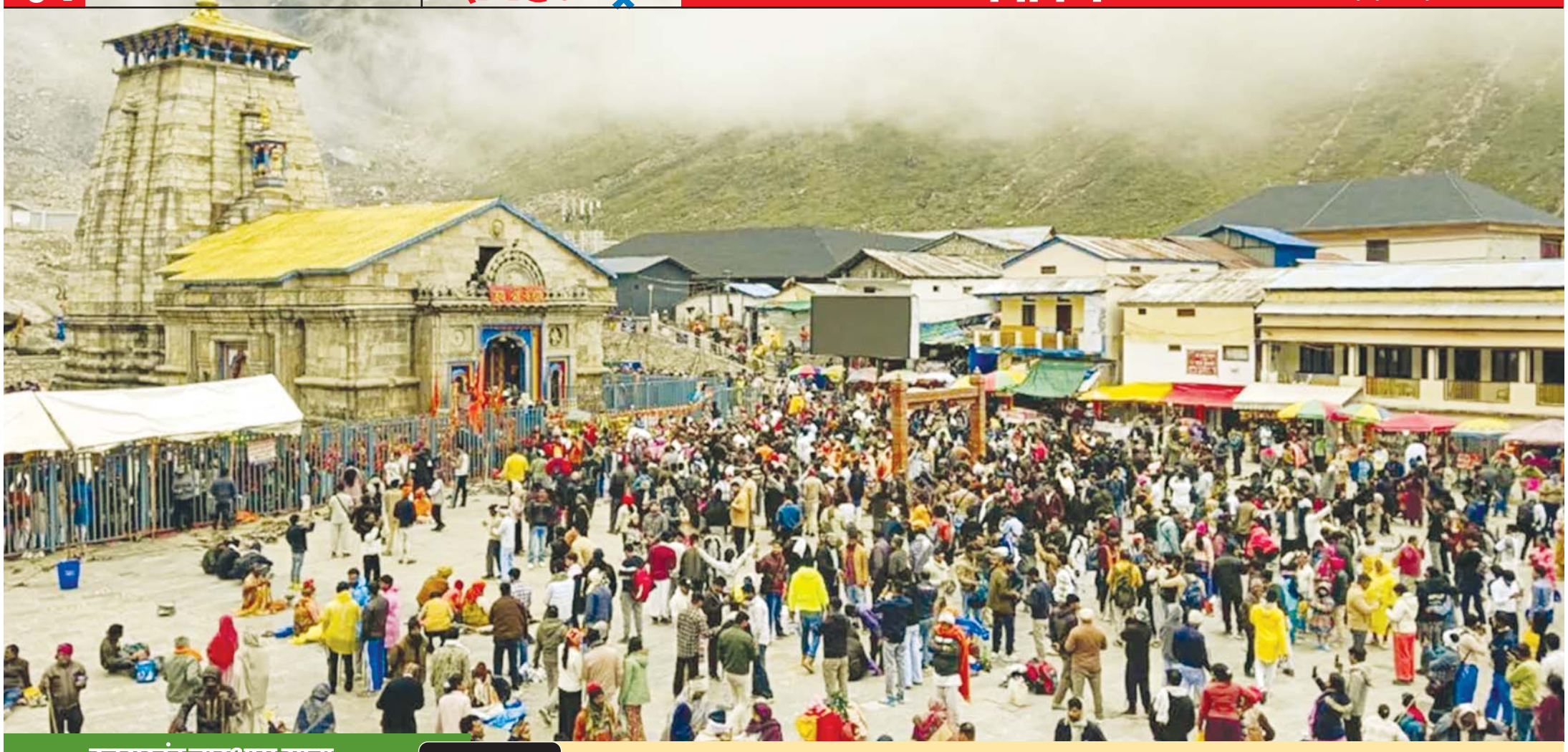

उत्तराखंड चारधाम यात्रा

# केदारनाथ में सबसे ज्यादा 11 लाख तीर्थयात्री पहुंचे

**स्वास्थ्य बिगड़ने से 161 ने गंवाई जान**

**देहरादून।** उत्तराखंड में इस वर्ष अप्रैल से शुरू हुई प्रसिद्ध चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अधिकारियों द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यात्रा की शुरुआत से अब तक 31 लाख से अधिक तीर्थयात्री प्रदेश के विभिन्न पावन धामों के दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, इस बीच स्वास्थ्य समस्याओं व अन्य कारणों से 161 श्रद्धालुओं की मौत की दुखद खबर भी सामने आई है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए सबसे अधिक 11,05,676 तीर्थयात्री पहुंचे हैं। इसके बाद 23 अप्रैल से शुरू हुई बद्रीनाथ धाम की यात्रा में 9,08,619 श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अन्य धामों की बात करें तो गंगोत्री मंदिर में 5,28,406, यमुनोत्री मंदिर में 5,07,421 और सिख तीर्थस्थल श्री हेमकुंड साहिब में 55,411 श्रद्धालु मत्था टेक चुके हैं। इसके अतिरिक्त, गौमुख मार्ग पर पहुंचने वाले 4,697 तीर्थयात्रियों की संख्या को गंगोत्री के आंकड़ों में ही शामिल किया गया है। एक तरफ जहां यात्रा में आस्था का हुजूम उमड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ मौतों का आंकड़ा भी चिंता का विषय बना हुआ है। 19 अप्रैल से अब तक कुल 161 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से 152 श्रद्धालुओं की मौत ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य खराब होने और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं (जैसे दिल का दौरा पड़ना या ऑक्सीजन की कमी) के कारण हुई। वहीं, 8 तीर्थयात्रियों की मौत अन्य हादसों और एक व्यक्ति की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई।

# गिलहरी, अजगर, गिरगिट और इगुआना... यात्री के बैग से निकले 29 प्रकार के विदेशी जंगली जानवर

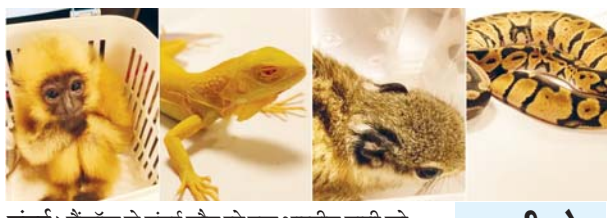

**मुंबई।** बैंकॉक से मुंबई लौट रहे एक भारतीय यात्री को मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुंबई कस्टम्स ने रोका। उसके पास से 29 विदेशी (एक्जॉटिक) वन्यजीव बरामद किए गए। वन्यजीवों की पहचान, सुरक्षित रेस्क्यू, उपचार और उन्हें स्थिर करने के लिए RAWW (रेस्किंक एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर) की टीम को WCCB (वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो) और वन विभाग के समन्वय से बुलाया गया।

बता दें जब्त किए गए वन्यजीवों में गिब्बन, मेलानिस्टिक स्क्विरल (काली गिलहरी), बॉल पाइथन और इगुआना जैसी विदेशी प्रजातियां शामिल हैं। इन्हें बैग के अंदर छिपाकर अवैध रूप से भारत लाया जा रहा था। डीजीसीए के दिशा-निर्देशों के अनुसार, जब्त किए गए इन वन्यजीवों को उस देश में वापस भेजा जाएगा, जहां से इनकी तस्करी कर लाई गई थी। भारत में विदेशी वन्यजीवों को पालतू जानवर के रूप में रखने की काफी मांग है। इसी वजह से कुछ लोग विदेशों से इन प्रजातियों की अवैध तस्करी करते हैं। तस्करी के दौरान इन जानवरों को सूटकेसों में गलत तरीके से पैक किया जाता है, जिससे सदमे, दम घुटने या अन्य कारणों से कई बार उनकी रास्ते में भी मौत हो जाती है।

### यात्री को लिया गया हिरासत में

प्रारंभिक जांच में गिब्बन सहित कई विदेशी प्रजातियों के वन्यजीव पाए गए। अधिकारियों ने आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वन्यजीवों की तस्करी के इस मामले में संबंधित कानूनों के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

# ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक कल इंदौर में किसानों की आय बढ़ाने पर रहेगा फोकस

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने जा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस बड़े आयोजन की विस्तृत रूपरेखा साझा की।

उन्होंने बताया कि ब्रिक्स की शुरुआत 2006 में हुई थी और आज 11 सदस्य देशों व 10 साझेदार देशों के साथ यह विश्व के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक बन गया है। वैश्विक दृष्टिकोण से यह समूह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया की लगभग 42 % कृषि भूमि, 68 % कृषि जोतें और करीब 42 % खाद्य उत्पादन इन्हीं ब्रिक्स देशों के पास है। इस मंच पर होने वाला सहयोग पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत इससे पहले भी साल 2012, 2016 और 2021 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर चुका है, जिसके दौरान 2016 में 'ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच' जैसी बड़ी पहल शुरू की गई थी।

### 'हमारी नीति में छोटे जोत वाले किसान'

शिवराज सिंह चौहान ने कहा अधिकारियों के समूह ने अब तक आठ बैठकें की हैं, जिनमें खाद्य सुरक्षा फिशरीज पशुपालन जैसे विषयों पर विमर्श हुआ है। हमारी प्रत्येक नीति नवाचार के केंद्र में छोटे जोत वाले किसान रहे हैं, इनकी अपनी समस्याएं हैं। रिसर्च का लाभ इन्हें मिले बाजार तक इनकी पहुंच आसान हो। कृषि क्रेडिट का प्रवाह इनकी तरफ बढ़े। किसानों की आय रोजगार आजीविका और सतत कृषि विकास पर चर्चा होगी।

### 20 देशों से आए प्रतिनिधि सम्मेलन में होंगे शामिल

इस बार इंदौर में आयोजित हो रहा यह सम्मेलन इसलिए भी खास है क्योंकि पहली बार ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की यह बैठक मंत्री स्तर पर आयोजित की जा रही है, जिसमें सदस्य और साझेदार देशों सहित लगभग 20 देशों के प्रतिनिधि शामिल होने जा रहे हैं। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में अब तक कृषि कार्य समूह के अंतर्गत 4 सत्रों में 8 सफल बैठकें होंगी।

### 4 वर्गों पर फोकस

इस वर्ष के आयोजन में छोटे और सीमांत किसान हमारी हर नीति और सहयोग के केंद्र में रहेंगे। कृषि विकास का वास्तविक अर्थ तभी सिद्ध होगा जब किसानों की आय बढ़ेगी और उनकी आजीविका सुरक्षित होगी। इस बार मुख्य रूप से चार विषयों—खाद्य सुरक्षा, पोषण एवं आजीविका; कृषि व्यापार एवं सहयोग; जलवायु अनुकूलन एवं सतत कृषि; तथा कृषि एवं खाद्य प्रणालियों में नवाचार व साझेदारी को सशक्त बनाने पर विशेष काम किया जा रहा है।

### कल से होगी शुरुआत

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती पर बात करते हुए कृषि मंत्री ने पुनर्योजी कृषि, सतत पद्धतियों और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी आधुनिक तकनीकों को छोटे किसानों तक पहुँचाने पर जोर दिया। इसके साथ ही कृषि के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए महिलाओं और युवाओं के नेतृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है।

## न्यूज विंडो

### मणिपुर में उपद्रवियों पर बड़े प्रहार की तैयारी, जवानों को खुली छूट

**इंफाल।** मणिपुर में शांति बहाली के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक सख्त और ठोस कार्ययोजना तैयार की है। राज्य में सक्रिय उपद्रवियों के खिलाफ अब सुरक्षा बल निर्णायक प्रहार करेंगे। सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) जीपी सिंह ने मणिपुर में तैनात अपने जवानों और अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उपद्रवियों के खात्मे के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह स्वतंत्र हैं। उन्होंने जवानों को खुली छूट देते हुए भरोसा दिलाया कि एक साल के भीतर मणिपुर के हालात पूरी तरह सामान्य हो जाएंगे। डीजी जीपी सिंह ने जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए साफ कहा कि यदि उपद्रवियों पर सुरक्षा बल गोली नहीं चलाएंगे, तो सरकार ने उन्हें गोला-बारूद क्यों दिया है? उन्होंने जवानों को आश्वस्त किया कि वे किसी भी कार्रवाई के बाद विभागीय सवालों या कानूनी पचड़ों की चिंता न करें।

### बिहार में घर के बाहर सो रहे 7 लोगों को ट्रैक्टर ने कुचला, ड्राइवर भागा

**मशरक(सारण)।** सारण जिले के मशरक नगर पंचायत क्षेत्र स्थित तख्त दलित टोला में रविवार की देर रात एक दर्दनाक हादसे में अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे सो रहे लोगों पर चढ़ गया। घटना में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मशरक में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के अनुसार दलित टोला का ट्रांसफार्मर कई दिनों से जला हुआ है, जिसके कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित है। भीषण गर्मी और उमस से परेशान होकर एक दर्जन से अधिक लोग अपने घरों के बाहर सड़क किनारे नाले के ऊपर बने हिस्से पर सो रहे थे।

# चुनावी धांधली के दावों पर सबूत मांगा तो भड़के ट्रंप, पत्रकार को बताया 'भ्रष्ट', बीच में छोड़ा इंटरव्यू

**वाशिंगटन, एजेंसी**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर मीडिया के साथ तीखी बहस को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने एनबीसी न्यूज की पत्रकार क्रिस्टन वेल्कर के साथ इंटरव्यू के दौरान न केवल तीखी बहस की, बल्कि इंटरव्यू बीच में ही छोड़कर चले गए। ट्रंप ने पत्रकार और मीडिया संस्थानों पर पक्षपातपूर्ण और बेईमान होने का आरोप लगाया। प्रसारित हुए इस इंटरव्यू में ट्रंप ने कैलिफोर्निया के गवर्नर चुनाव का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि चुनाव परिणाम आने में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि चुनाव में धांधली की जा रही है। उन्होंने कहा कि मतदान के चार दिन बाद भी नतीजे घोषित नहीं हो पाए हैं, जो उनके अनुसार चुनावी गड़बड़ी का संकेत है। इस दौरान पत्रकार ने अपना बचाव करते हुए कहा कि वह भ्रष्ट नहीं हैं, लेकिन ट्रंप ने जवाब दिया, 'या तो आप भ्रष्ट हैं या फिर मूर्ख हैं। आप जानते हैं कि चुनावों में धांधली हो रही है और आपका नेटवर्क भी यह जानता है'।

### 2020 पुराने आरोप भी ट्रंप ने दोहराए

ट्रंप ने 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपने पुराने आरोप भी दोहराए। उन्होंने कहा कि 2020 का चुनाव धांधली वाला था और अब कैलिफोर्निया में भी वैसा ही हो रहा है। जब पत्रकार क्रिस्टन वेल्कर ने उनसे इन आरोपों के समर्थन में सबूत मांगे तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे सिर्फ देखना है, वही काफी है'। वहीं पत्रकार ने जब उन्हें याद दिलाया कि अदालतों और चुनाव अधिकारियों ने ऐसे आरोपों की पुष्टि नहीं की है, तो ट्रंप नाराज हो गए। उन्होंने कहा, 'वे सभी भ्रष्ट हैं, ठीक आपकी तरह। आपका प्रेस भ्रष्ट है और 'मीट द प्रेस' भी भ्रष्ट है'।

# डोमिनिका रिपब्लिक में भीषण विमान हादसा, पायलट व को-पायलट की मौत

**हासा ला रोमाना।** डोमिनिका रिपब्लिक में भीषण विमान हादसा हुआ है। इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान यहां एक प्लेन क्रैश हो गया। क्रैश होते ही प्लेन में धमाके के साथ आग लग गई। इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान प्राइवेट विमान क्रैश हुआ। यह भीषण हादसा डोमिनिका रिपब्लिक के हासा ला रोमाना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुआ। हादसे के बाद विमान आग का गोला बन गया। हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई।

अमेरिकन रजिस्टर्ड प्राइवेट जेट गल्फस्ट्रीम त200, प्यूर्टो रिको से टेक्सास जा रहा था। टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन फेलियर या हाइड्रॉलिक समस्या रिपोर्ट हुई। क्रू ने इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन विमान हार्ड लैंडिंग के बाद घास में फिसला और आग के गोले में बदल गया। हादसे में दो क्रू मेंबर्स की मौत हो गई। मृतकों की पहचान एरिक जेवियर डियागो और रूडी गजल के रूप में हुई है, दोनों पायलट थे।

मेट्रो एंकर

कोर्ट ने कहा- कई महान विभूतियों का जन्म विषम परिस्थितियों में हुआ, फिर भी उन्होंने रचा इतिहास

# दुष्कर्म से जन्मा बच्चा कलंक का प्रतीक नहीं, पूरे सम्मान का हकदार

**प्रयागराज, एजेंसी**

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म से जन्मा बच्चा न तो कोई अपराधी है और न ही कलंक का प्रतीक है। उसे पूरे सम्मान, सांविधानिक संरक्षण और बराबरी का अधिकार है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने मेरठ निवासी नाबालिग पीड़िता की याचिका पर की।

कोर्ट ने कहा कि बच्चे के जन्म के तरीके या परिस्थितियों से उसके मानवीय मूल्य पर कोई दाग नहीं लगता। पीड़िता के साथ हुई हिंसा, शोषण और अन्याय ही सच्चा कलंक है। वहीं, चंद्रगुप्त मौर्य जैसे ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए कहा कि कई महान विभूतियों का जन्म विषम परिस्थितियों में हुआ पर उन्होंने इतिहास रच दिया।

मेरठ निवासी पीड़िता ने गर्भपात की इच्छा जताई थी पर सीएमओ, पुलिस, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की लापरवाही के चलते 54 दिन बीत गए। अब ऐसे में गर्भपात संभव नहीं रहा। कोर्ट ने कहा-नौकरशाही की लापरवाही से पीड़िता को संघर्ष करना पड़ा कोर्ट ने कहा, कानून में गर्भपात के लिए प्रावधान होने के बावजूद नौकरशाही की लापरवाही के चलते पीड़िता को संघर्ष करना पड़ा।

कोर्ट ने इसे व्यवस्थागत विफलता करार दिया है। इस दौरान कोर्ट ने पाया कि पीड़िताओं की मदद के लिए राज्य में चिकित्सा बोर्ड या तो गठित नहीं हैं या ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। बाल कल्याण समितियों में सपोर्ट पर्सन की भारी कमी है। कोर्ट ने सभी जिलों में चिकित्सा बोर्ड का गठन करने का निर्देश दिया है।

### नौकरशाही की लापरवाही से पीड़िता को संघर्ष करना पड़ा

कोर्ट ने कहा, कानून में गर्भपात के लिए प्रावधान होने के बावजूद नौकरशाही की लापरवाही के चलते पीड़िता को संघर्ष करना पड़ा। कोर्ट ने इसे व्यवस्थागत विफलता करार दिया है। इस दौरान कोर्ट ने पाया कि पीड़िताओं की मदद के लिए राज्य में चिकित्सा बोर्ड या तो गठित नहीं हैं या ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। बाल कल्याण समितियों में सपोर्ट पर्सन की भारी कमी है। कोर्ट ने सभी जिलों में चिकित्सा बोर्ड का गठन करने का निर्देश दिया है। वहीं, ब्रिटेन, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के कानूनों का जिक्र कर सुझाव दिया कि प्रदेश सरकार एक नया कानून बनाए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564